बर्षः- 06
अंकः- 106
मुरादाबाद
(Wednesday)
05 August 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

दैनिक

प्रातः कालीन

# क्यूँ न लिखूँ सच

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

मुरादाबाद से प्रकाशित

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

## राम मंदिर चंदा चोरी पर सीएम योगी बोले-साधु-संत जनता तंग आ चुकी हैः बिहार -

## दोषी नहीं, विपक्ष का आचरण सनातन विरोधी

### प्रदेश सरकार ने पेश किया 59 हजार करोड़ का अनुपूरक बजट, केंद्र से मिलेगी 11 हजार करोड़ की सहायता

यूपी विधानमंडल के मानसून सत्र का आज दूसरा दिन रहा। आज सपा के हंगामे के बीच सदन में अनुपूरक बजट पेश किया गया। इसमें नए एक्सप्रेसवे, छात्राओं को मुफ्त स्कूटी, ग्रामीण इलाकों में मूलभूत सुविधाओं पर फोकस किया गया है। सदन से निकलकर सीएम योगी ने पत्रकारों से बातचीत में राम मंदिर चढ़ावा चोरी पर बयान दिया। उन्होंने कहा कि मामले में एसआईटी गठित की गई। कैमरे में जो लोग दिखे उनके खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। जांच के बीच एससी ने एसआईटी के पुनर्गठन की बात कही। एसआईटी जांच में कोई भी साधु संत दोषी नहीं मिले। ऐसे में साधु संतों और 1100 कर्मचारियों पर आक्षेप लगाना बड़ी आश्चर्य की बात है। ये आरोप वो सपा और कांग्रेस लगा रही है, जिन्होंने सदैव रामजन्मभूमि और भगवान राम का अपमान किया है। उन्होंने कहा कि एक समय में सपा ने पवित्र सरयू नदी को रक्तरंजित किया था। संसद के अंदर सपा और कांग्रेस के सांसदों द्वारा जो आक्षेप किए गए, वो सीधे सीधे सनातन का अपमान था। इनका आचरण सनातन विरोधी है। इस प्रकरण में जो लोग भी पकड़े गए हैं, उनका भाजपा और साधु संतों से कोई लेना देना नहीं है। इन लोगों ने सदैव राम मंदिर का विरोध किया। ये वही लोग हैं जो 22 जनवरी 2024 को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा में आमंत्रण के बाद भी नहीं गए। आस्था की चर्चा वो लोग कर रहे हैं, जो लोग हिंदुओं और सनातन परंपरा को हमेशा कटघरे में खड़ा करते रहे हैं। ये लोग चर्चा से भागना चाह रहे हैं। जब पीठ ने दूध का दूध, पानी का पानी करने की बात कही तो इन्होंने इसे स्वीकार नहीं किया। सपा और कांग्रेस का ऐसा आचरण सनातन का अपमान और 25 करोड़ जनता पर कुठाराघात है। यूपी अब बीमारू राज्य नहीं, किसान अब सुसाइड नहीं कर रहा है। आज यूपी ने खुद को देश में टॉप थ्री इकोनॉमी में खड़ा किया है। जिन लोगों ने नौजवानों के हक पर डकैती डाली थी। आज वही सपा फिर देश के अंदर यूपी की छवि धमिल करने की कोशिश कर रही है। अध्यक्ष पीठ का अपमान और मार्शलों के साथ धक्कामुक्की करने की हम निंदा करते हैं। इन लोगों ने माहौल को खराब करने की कोशिश की। इनका आचरण सांविधानिक मूल्यों को तार तार करने वाला है। यूपी के धार्मिक पर्यटन को आगे बढ़ने से रोकने का कुत्सित प्रयास है। हम इसकी निंदा करते हैं। यूपी विधानसभा में बुधवार को अनुपूकर बजट पेश किया गया है। अनुपूरक बजट पर चर्चा करने के लिए जैसे ही सीएम योगी बोलने के लिए खड़े हुए विपक्षी विधायकों खासकर सपा के सदस्यों ने हंगामा कर दिया। वह राम मंदिर चढ़ावा चोरी पर पहले चर्चा करना चाह रहे थे। सीएम योगी ने हंगामे पर टिप्पणी करते हुए कहा कि यह आचरण शर्मनाक है। अनुपूरक बजट का एजेंडा पहले ही तय हो गया था। इस पर विरोधी दलों के लोगों ने रुचि नहीं ली। बल्कि दूसरे मुद्दों पर वह व्यवधान डाल रहे हैं। सीएम की तस्वीर दिखाने पर भड़के विधानसभा अध्यक्ष- जब सीएम योगी इस अनुपूरक बजट पर चर्चा कर रहे थे उसी दौरान एक सपा विधायक सचिन ने सीएम से जुड़ी कोई तस्वीर दिखाई। धानसभा अध्यक्ष सतीश महाना नाराज हो गए। उन्होंने उनको सदन से बाहर करने का आदेश दिया। साथ ही कहा कि इन्हें पूरे सत्र के लिए सदन से बाहर किया जा रहा है। नाराज सतीश महाना ने कहा कि वह दोबारा ऐसा करते हैं तो विशेषाधिकार नोटिस लाकर उनकी सदस्यता खत्म कर देंगे। यूपी सरकार ने अपना अनुपूरक बजट पेश कर दिया है। यह अनुपूरक बजट करीब 59 हजार करोड़ का है। उत्तर प्रदेश सरकार ने इस बार कुल ?59,019.54 करोड़ (59,019,54.10 लाख रुपये) की अनुपूरक बजट मांग (अतिरिक्त बजट) पेश की है। इस बजट में केंद्र सरकार से 11,240.97 करोड़ की मदद अंशदान (हिस्सेदारी) के रूप में मिलेगी। केंद्र से मिलने वाली राशि को घटाने के बाद राज्य सरकार के खजाने (समेकित निधि) पर ?47,778.57 करोड़ का शुद्ध वित्तीय बोझ पड़ेगा। इस खर्च का इंतज़ाम सरकार टैक्स (कर) और गैर-टैक्स (करेतर) से होने वाली अपनी राजस्व आय के तय लक्ष्यों को पूरा करके तथा फालतू (अनुत्पादक) खर्चों में कटौती करके करेगी।वित्तीय वर्ष 2026-2027 के लिए पेश किए गए अनुपूरक बजट में राज्य सरकार ने औद्योगिक विकास, बुनियादी ढांचे और ऊर्जा क्षेत्र पर विशेष ध्यान केंद्रित किया है। औद्योगिक विकास एवं भारी उद्योगों को सबसे बड़ा हिस्सा दिया गया है, जिसके तहत भारी एवं मध्यम उद्योग विभाग के लिए 1,30,301.92 लाख का राजस्व खर्च और 20,90,588.00 लाख (लगभग ?20,905.88 करोड़) का भारी-भरकम पूंजीगत बजट मंजूर किया गया है। इसके अलावा हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग को 1,502.79 लाख राजस्व और 12,500.00 लाख पूंजीगत मद में दिए गए हैं, जबकि मुद्रण तथा लेखन सामग्री के पूंजीगत कार्यों हेतु 2,350.00 लाख की व्यवस्था की गई है। ग्रामीण विकास और बुनियादी ढांचे के सुदृढ़ीकरण के लिए ग्राम्य विकास विभाग को 8,103.51 लाख राजस्व तथा 14,18,471.95 लाख (लगभग 14,184.72 करोड़) का पूंजीगत आवंटन प्राप्त हुआ है। ऊर्जा क्षेत्र (बिजली व्यवस्था) के लिए कुल मिलाकर 7,02,227.00 लाख (भारित राशि सहित) राजस्व मद में और 40,000.00 लाख पूंजीगत मद में आवंटित किए गए हैं। वहीं स्थानीय निकायों और क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा देने के लिए पंचायती राज विभाग को 15,633.00 लाख का राजस्व तथा 13,998.00 लाख का पूंजीगत बजट प्रदान किया गया है। कृषि एवं संबंधित क्षेत्रों की बात करें तो कृषि विभाग को 13,237.76 लाख राजस्व और 15,900.00 लाख पूंजीगत विकास के लिए दिए गए हैं। उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग के हिस्से में ?24,480.37 लाख राजस्व और ?1,005.02 लाख पूंजीगत आवंटन आया है। पशुपालन विभाग के लिए 2,497.84 लाख राजस्व व 4,486.66 लाख पूंजीगत, दुग्ध विकास विभाग के लिए 20,425.10 लाख राजस्व, मत्स्य विभाग के लिए 300.00 लाख राजस्व व 600.00 लाख पूंजीगत, तथा भूमि विकास एवं जल संसाधन विभाग को 200.00 लाख का राजस्व बजट मंजूर हुआ है। लोगों का स्वास्थ्य सुधारने की भी कोशिश - इस अनुपूरक बजट में चिकित्सा शिक्षा एवं प्रशिक्षण प्रभाग के लिए राजस्व मद में 10.00 लाख और पूंजीगत मद में 10.00 लाख (कुल ?20.00 लाख) का प्रावधान किया गया है। एलोपैथी चिकित्सा प्रभाग को सबसे बड़ा हिस्सा मिला है, जिसके अंतर्गत राजस्व मद में 1,10,000.00 लाख (1,100 करोड़) तथा पूंजीगत मद में 9,600.00 लाख (96 करोड़) आवंटित किए गए हैं। आयुर्वेदिक एवं यूनानी चिकित्सा प्रभाग के लिए राजस्व मद में 25.00 लाख और पूंजीगत मद में ?2,300.00 लाख (23 करोड़) रखे गए हैं। इसके अलावा परिवार कल्याण प्रभाग के लिए राजस्व मद में 70,425.00 लाख (704.25 करोड़) तथा सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रभाग के लिए राजस्व मद में 2,015.00 लाख (20.15 करोड़) और पूंजीगत मद में 4,050.00 लाख (40.50 करोड़) स्वीकृत किए गए हैं।

### संक्षिप्त समाचार

#### राज्यसभा जाने के बाद पहली बार पीएम मोदी से मिले नीतीश कुमार

दिल्ली में मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की मुलाकात हुई।

इस दौरान ललन सिंह और संजय झा भी मौजूद रहे दिल्ली में मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की मुलाकात हुई।

इस दौरान जदयू के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा भी मौजूद रहे। दोनों नेताओं की इस बैठक ने बिहार की राजनीतिक हलचल को और तेज कर दिया है।जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने इस मुलाकात के दौरान देश और राज्य के विकास पर बात होने की जानकारी दी। इस बातचीत के दौरान दोनों नेताओं के बीच बांकीपुर उप चुनाव को लेकर चर्चा नहीं हुई।

बांकीपुर उप चुनाव में भाजपा की करारी हार के पीछे नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री की कुर्सी से उतारे जाने का भी एक मुद्दा जन सुराज ने बनाया था, लेकिन इस मुलाकात के जरिए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन उस बात को अब एक तरह से फिर नकार दिया है। बांकीपुर विधायक रहे नितिन नवीन भी नीतीश कुमार के साथ राज्यसभा गए थे। नितिन मंत्री और नीतीश मुख्यमंत्री थे।

पहले नितिन ने मंत्री का पद छोड़ा और फिर अप्रैल में नीतीश कुमार ने कुर्सी छोड़ी थी, जिसके बाद राज्य में भाजपा ने अपना पहला मुख्यमंत्री बनाया था।

## एमपी के उपचुनाव में भाजपा की हार पर प्रियंका गांधी वाड्रा का तंज

बिहार और मध्य प्रदेश के उपचुनाव नतीजों के बाद कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने भाजपा पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि जनता अब भाजपा से तंग आ चुकी है और यह सिर्फ शुरुआत है।बिहार के बांकीपुर और मध्य प्रदेश की दतिया विधानसभा सीट के उपचुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की हार के बाद कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने मंगलवार को सत्तारूढ़ पार्टी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि इन नतीजों से साफ है कि लोग अब भाजपा से तंग आ चुके हैं। बांकीपुर विधानसभा सीट पर जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन की खाली पर कब्जा कर लिया। वहीं, मध्य प्रदेश की दतिया विधानसभा सीट पर भी भाजपा को हार का सामना करना पड़ा।जब संसद परिसर में पत्रकारों ने उपचुनाव के नतीजों पर प्रियंका गांधी से सवाल किया, तो उन्होंने कहा, यह साफ है कि जनता भाजपा से थक चुकी है और तंग आ चुकी है। अब लोग समझ रहे हैं कि देश में क्या हो रहा है। उन्होंने आगे कहा, यह तो सिर्फ शुरुआत है।वहीं, गुजरात के वडोदरा जिले की मंजलपुर विधानसभा सीट पर भाजपा ने अपनी सीट बरकरार रखी। भाजपा उम्मीदवार सतीश गोविंदभाई पटेल ने कांग्रेस के उम्मीदवार और पूर्व मंत्री भीखाभाई रबारी को 30,630 वोटों से हराया। बिहार की बांकीपुर विधानसभा सीट पहले नितिन नवीन के पास थी। उनके विधायक पद से इस्तीफा देकर राष्ट्रीय स्तर पर नई जिम्मेदारी संभालने के बाद इस सीट पर उपचुनाव कराया गया। बांकीपुर में कितने वोटों से जीते प्रशांत किशोर?- बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव में जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर ने 64,151 वोट हासिल कर शानदार जीत दर्ज की। भाजपा के नीरज कुमार को 44,827 और राजद की रेखा कुमारी को 14,273 वोट मिले।लेकिन इस जीत के बीच सबसे ज्यादा चर्चा दो और उम्मीदवारों की हार की हो रही है। वजह यह है कि निर्दलीय उम्मीदवार नितीश कुमार और लालू प्रसाद यादव (ये बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नहीं, बल्कि समान नाम वाले प्रत्याशी हैं) चुनाव मैदान में उतरे थे। दोनों को क्रमशः 149 और 81 वोट ही मिले, जिससे उनकी जमानत भी जब्त हो गई। नाम बड़े होने के कारण इन दोनों उम्मीदवारों की करारी हार सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बनी हुई है।

## संसद में विपक्ष का प्रदर्शनः चढ़ावा चोरी और छात्रों पर पुलिस कार्रवाई का उठाया मुद्दा, अमित शाह से मांगा जवाब

संसद के मानसून सत्र के दौरान विपक्षी दलों ने अयोध्या के राम मंदिर में कथित दान चोरी और छात्र प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कथित पुलिस कार्रवाई को लेकर सरकार के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। सांसद प्रतीकात्मक रूप से दान पेटियां लेकर संसद परिसर पहुंचे और सरकार से जवाबदेही की मांग की। प्रदर्शन में कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस, राष्ट्रीय जनता दल सहित कई विपक्षी दलों के सांसद शामिल हुए।कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा समेत विपक्षी सांसदों ने मंगलवार को संसद परिसर में अयोध्या के राम मंदिर में कथित दान चोरी और छात्र प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कथित पुलिस ज्यादती के विरोध में प्रदर्शन किया। सांसदों ने संसद के मकर द्वार के सामने सरकार के खिलाफ तख्तियां लेकर प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने चंदा चोर, गद्दी छोड़ और अमित शाह जवाब दो जैसे नारे लगाए। प्रदर्शन के दौरान विपक्षी सांसद अपने साथ दान पेटियां भी लेकर पहुंचे। उनका कहना था कि ये राम मंदिर में कथित दान चोरी के मुद्दे का प्रतीक हैं। सांसद इन दान पेटियों के चारों ओर खड़े होकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते रहे। कुछ सांसदों ने प्रतीकात्मक रूप से दान पेटियों में नकदी भी डाली, ताकि पहले किए गए दान और बाद में हुई कथित चोरी को दर्शाया जा सके।प्रदर्शन में कांग्रेस की प्रियंका गांधी वाड्रा, समाजवादी पार्टी की डिंपल यादव और धर्मेंद्र यादव, तृणमूल कांग्रेस की सागरिका घोष, राष्ट्रीय जनता दल के संजय यादव और मनोज झा तथा आरएसपी के एन.के. प्रेमचंद्रन सहित कई विपक्षी सांसद शामिल हुए। प्रदर्शनकारी सांसद एक बड़े बैनर के पीछे खड़े थे, जिस पर लिखा था, अमित शाह संसद से अनुपस्थित क्यों?।

इस दौरान उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ भी नारे लगाए।इंडिया गठबंधन ने पहले ही घोषणा की है कि वह राम मंदिर में कथित दान चोरी और पिछले सप्ताह छात्र प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कथित बल प्रयोग के मुद्दे पर सरकार को संसद में घेरने का प्रयास करेगा। इसी के चलते मंगलवार को लोकसभा और राज्यसभा में हंगामे के चलते दोपहर दो बजे तक के लिए कार्यवाही स्थगित कर दी गई।इससे पहले मंगलवार सुबह संसद परिसर में राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के कक्ष में इंडिया गठबंधन के घटक दलों के फ्लोर नेताओं की बैठक हुई। बैठक में कथित चंदा चोरी और छात्र प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कथित पुलिस ज्यादती के मुद्दे पर सरकार को घेरने की रणनीति पर चर्चा की गई।

## यूनिफाइड पेंशन स्कीम में बदलाव की योजना नहीं, वित्त मंत्री टैक्स छूट

सरकार ने संसद में कहा है कि यूनिफाइड पेंशन स्कीम में बदलाव की योजना नहीं है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने टैक्स छूट, ग्रेच्युटी पर भी जवाब दिया। यूपीएस के तहत कर्मचारियों को एनपीएस समेत अन्य पेंशन लाभ मिलते रहेंगे।यूनिफाइड पेंशन स्कीम (यूपीएस) में किसी तरह के बदलाव या इसे बंद किए जाने की आशंका से परेशान केंद्रीय कर्मचारियों के लिए यह राहत की खबर है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को लोकसभा में कहा कि यूपीएस में बदलाव करने या इसे बदलने का फिलहाल सरकार के पास कोई प्रस्ताव नहीं है। उन्होंने बताया कि 19 जुलाई, 2026 तक 1,18,195 कर्मचारी यूपीएस का विकल्प चुन चुके हैं। इनमें नए कर्मचारी, मौजूदा और सेवानिवृत्त कर्मचारी शामिल हैं।यूपीएस को 1 अप्रैल, 2025 से राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) के तहत केंद्रीय कर्मचारियों के लिए एक विकल्प के रूप में लागू किया गया था। यह योजना उन कर्मचारियों और 31 मार्च, 2025 तक एनपीएस के तहत सेवानिवृत्त हो चुके कर्मचारियों के लिए भी है, जिन्होंने कम से कम 10 वर्ष की नियमित सेवा पूरी की है। पात्र मृत कर्मचारियों के जीवनसाथी भी इसका लाभ ले सकते हैं। यूपीएस चुनने वाले कर्मचारियों को रिटायरमेंट ग्रेच्युटी और डेथ ग्रेच्युटी के साथ ही एनपीएस की तरह ही कर छूट लाभ भी दिए गए हैं।

## संपादकीय Editorial

# Kangana Ranaut's controversies are earned.

The earthquakes caused by Kangana Ranaut's statements, the dark shadows they cast, change the perspective of Himachal's discourse. Now, from the ashes of the Jantar Mantar protest, our MP has stirred up such a controversy that people are beginning to sense the stench of our public representatives' language in the "gutter." Before labeling a generation "Generation Gutter," this woman's fiery projection of her unbalanced mentality has become a topic of debate. One must wonder what kind of junk we Himachalis are actually consuming. Given the extent of mental junk, what side do our MP's stories represent across the country? Mandi's MP once held the hearts of millions of fans as a brilliant actress, but now, due to hateful comments, she appears marginalized. What, after all, is gained from such MPs? At least, this isn't the language of Mandi, nor the language of voters. Kangana's reign on the parliamentary stage is being exposed for the wrong reasons, as if this MP is acting out a farce against various sections of society. In her long list of statements, it's not the statements themselves that are earned, but the controversies, and the case isn't about the BJP honoring her. For those few leaders who have strayed, Kangana's fiery character is always looking for a controversy. Her comments, interviews, and performance of her duties as a public representative are such that she enjoys using unbridled language for self-aggrandizement. Of course, one side supports Kangana politically, but that doesn't mean she's gaining praise by unleashing hatred on the other side. A series of statements is deeply entangled in the lady's image that is deeply damaging the democratic image. These uproars will continue with me, whether you or no one else does. We believe that this actress has only harmed herself by indulging in politics. These actions have curtailed her film career, while in public life, she has become a non-serious actor in the national debate. Kangana may have her own struggles and her own facades, but as a public representative, she must prove herself on Himachal's issues. The cries of disaster are being heard in her own constituency, Mandi, and as an MP, she could have done much, but that hasn't happened. If the 1500 crore rupees announced through the central relief fund haven't been received, then let her explain how she will describe this pain. However, the BJP should consider how and to what extent it will accept Kangana's influence. If this slur on the Himachal BJP's forehead is acceptable, it's welcome. Otherwise, by calling Jane ji a gutter, she is mocking the mothers who, in the mirror of society and the nation, embody India's hopes and the future generations that will shape the country. Kangana may be nitpicking or aggressive in political debates, but she doesn't have the right to insult India's traditions, society's hopes, and the suffering of the people. If her being a Himachal MP is an achievement for Mandi, then Kangana should learn the basic principles of public service in this context. After all.

# Roman will reveal the secrets of the universe: NASA's study will reveal what has changed over time since the universe's origin.

NASA will soon launch the Nancy Grace Roman Space Telescope, which will study the universe's origin, structure, and changes over time. The Roman Telescope is different from the existing James Webb Space Telescope. While the James Webb was designed to conduct detailed studies of specific celestial objects, the Roman will conduct a comprehensive survey of the entire universe. To solve the mysteries of modern astronomy, NASA will soon launch an observatory into space. The Nancy Grace Roman Space Telescope, installed in this observatory, will investigate how the universe began, what it is made of, and how it has changed over time. This observatory is named after Nancy Grace Roman, NASA's first astronomer and first female executive. The Roman Telescope is different from the existing James Webb Space Telescope. While the James Webb was designed to conduct detailed studies of specific celestial objects, the Roman will conduct a comprehensive survey of the entire universe.

Roman is equipped with two major instruments: the Wide Field Instrument and the Coronagraph. The Wide Field Instrument will peer into the depths of space using infrared light. Its field of view is approximately one hundred times larger than Hubble's infrared camera, and it can survey nearly a thousand times faster than Hubble's. The Coronagraph will block the bright glare of stars, allowing it to take direct images of faint planets, dust, and gas rings surrounding them. During its mission, Roman will study billions of galaxies and stars. Current models of the universe's origin and evolution suggest that ordinary matter, from which stars, planets, and humans are composed, constitutes only a small portion of the universe. Approximately 25 percent is dark matter, which is invisible but whose gravity holds galaxies together. Roman will attempt to understand how dark matter played a role in the formation of galaxies at different times. Approximately 70 percent of the universe is believed to be composed of dark energy. This mysterious energy is believed to be the cause of the universe's rapid expansion. The observatory is named after Nancy Grace Roman, NASA's first astronomer and first female executive. Recent studies indicate that its nature may change over time. Roman will investigate these possibilities.

It will discover thousands of new planets using gravitational microlensing technology. By creating a very detailed map, Roman will expand our current understanding of the universe and perhaps even open the door to a new world of physics.

# Our minds are becoming empty: Don't mortgage the basic human instinct of saving and remembering to AI.

According to a study, over 64 percent of people believe that when all information is available on the internet, why store it in a computer or brain? Future generations will have unlimited information, but they will lack their own original and accumulated history. Humans' greatest strength in the evolution of civilization has been their tendency to accumulate. First, paintings were made in caves, food was stored, and civilization was created. Humans began building houses, then history was written on paper, and by the beginning of the twenty-first century, we began saving everything to computers and hard drives. 'Control plus S' became not just a command, but our digital defense against preserving knowledge for the future. But the advent of artificial intelligence (AI) and generative AI (such as ChatGPT, Cloud) has dealt a blow to this human habit, worrying everyone from sociologists to technology experts.

When humans stop preserving what they create, they gradually become disconnected from their historical continuity. Microsoft and LinkedIn's May 2024 "Work Trend Index" report reveals that more than 75 percent of the world's office workers are directly using AI for their daily work, coding, and research. Cybersecurity company Kaspersky, in a major study from 2015-2016, termed this practice "digital amnesia." According to this research, more than 64 percent of people believe that with all the information available on the internet 24/7, they have given up the effort of storing it in their computers or brains. This is called "cognitive offloading," meaning that humans have completely handed over the task of brainstorming and data preservation to machines. For the past two decades, the biggest fear for any digital creator, writer, or coder was losing data. Fingers used to involuntarily press "Control plus S" every two minutes, fearing a system crash. This symbolized that we owned the content we created and that it was our responsibility to preserve it for future generations. Today, generative AI has transformed this entire process. No coder saves their code library anymore, knowing that the next time they need it, AI will write new and better code in seconds. When knowledge is available "on-demand," who would bother to preserve it? In technology terms, this is called "algorithmic regeneration," eliminating the need for storage. The "Google Effect" was first introduced to the world in a famous study published in the journal "Science" in 2011 by Columbia University professor Betsy Sparrow. Researchers concluded that when people know information is easily available online, their brains remember the route to find it rather than the information itself. In the era of generative AI, this "Google Effect" has now transformed into digital amnesia. We had already lost the habit of memorizing phone numbers, and now we're also losing the logical structure of thoughts.

When we "save" something, we assign it a category, which creates a neural pathway in our brain.

Not saving means we lose our mental connection to that knowledge. Whatever we write today goes directly to AI servers. If these AI tools become paid or their servers go down tomorrow, we'll have no record of our work. This is a new knowledge colonialism, where our personal intellectual data is controlled by Silicon Valley companies. We have become the greatest 'content creators' in history, but we have no 'archive' of our own. 'Control plus S' wasn't just a technological shortcut; it was a part of our consciousness that said, 'This idea is valuable, it must be preserved for the future.' If we are completely swept away in this current of digital oblivion, future generations will have unlimited information, but no original and accumulated history of their own. It's time to use technology, but not mortgage the basic human instinct to preserve and remember to AI.

# Youth Protest in Delhi: The Movement Should Be Yours, Not Someone Else's Agenda

In a democracy, raising your voice is a right, but maintaining discretion is a responsibility. Only when rights and responsibilities go hand in hand can positive change occur. If discretion is lost, even the most powerful movement can become a tool in someone else's hands. What happened at Jantar Mantar in the past few days not only depicted a movement, but also highlighted a major question facing today's young generation. That question is: is every person seen in a movement's crowd truly there for the same purpose? The answer is: not necessarily. Crowds are visible in any movement, but they are never uniform. There are people with different ideologies, people from different organizations, people with different political views, and people with different interests. Some genuinely stand with the oppressed, some seek to advance their ideology, some seek political opportunity, some simply want to be part of the crowd, and there are those who seek any opportunity to exploit public sentiment for their own purposes. This is where the biggest challenge facing the young generation begins. If your demands are just, if you have been wronged, if the system needs reform, it is your democratic right to speak out. In any healthy democracy, the voice of the youth should not be suppressed. The question is not about organizing a movement, but who controls the direction of the movement. Movements straying from their original goal – History bears witness to the fact that many times, genuine suffering has become a platform for someone else's politics. The youth who raised their voices for their future, after some time, realized that their problems had been left behind and the debate shifted to a different topic. The issue remained the same, but the faces on the stage changed, the slogans changed, and the objective also shifted. This is the moment when a movement begins to deviate from its original goal. Today's Gen Z understands technology and has greater access to information than any previous generation. This is their greatest strength. But this very strength becomes a weakness when the fast pace of social media, emotional speeches, viral videos, and influential figures begin to overshadow their independent thinking. Remember, there's nothing wrong with joining a movement, but blindly following someone can be dangerous. Not every slogan is yours, not every speech is in your interest, and not every platform seeks to solve your problem. So, be sure to ask yourself a few questions: Do those who stand with you want to solve your problem or simply use your numbers? Is the movement's agenda the same as the one you joined, or has it gradually shifted in a different direction? Are decisions being made by the youth involved in the movement, or is someone else shaping its direction? The answers to these questions will determine whether you are leading the movement or simply becoming part of the crowd. Responsibility with Expression – In a democracy, raising your voice is a right, but maintaining discretion is a responsibility. Only when rights and responsibility go hand in hand can positive change occur. If conscience is lost, even the most powerful movement can become a tool in someone else's hands. Jen-ji need not fear anyone..

# यूपी का सीरियल किलर: अनिल ने की चौकीदार करन सिंह की हत्या, ई-रिक्शे से आया था कातिल; मर्डर का समान तरीका

मुरादाबाद में चौकीदार करन सिंह की हत्या सीरियल किलर अनिल ने की थी। आरोपी रामपुर जेल में बंद है। 18 जुलाई को रामपुर के शाहपुर में भी दो भाइयों पर ईंट से हमला किया था। इनमें से एक भाई की मौत हो गई थी। समान पैटर्न और सीसीटीवी कैमरों की फुटेज से पुलिस को मदद मिली। पुलिस ने आरोपी से जेल में पूछताछ की है।मुरादाबाद के कुंदरकी थाना इलाके के गांव नानपुर में बिजली घर के चौकीदार करन सिंह (65) की नृशंस हत्या को अंजाम देने वाले आरोपी की पहचान हो गई है। हत्याकांड को अंजाम रामपुर के शाहबाद निवासी सीरियल किलर अनिल ने दिया था। पुलिस ने समान पैटर्न और सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की मदद से आरोपी की पहचान की है। अनिल वर्तमान में रामपुर जेल में बंद है। पुलिस उसे रिमांड पर लेने की तैयारी कर रही है। 19 जुलाई को कुंदरकी थाना क्षेत्र के नानपुर में बिजलीघर के चौकीदार करन सिंह का शव झोपड़ी से मिला था।चौकीदार हत्याकांड के खुलासे के लिए एसओजी समेत पुलिस की चार टीमें जांच में जुटी थीं। सीसीटीवी फुटेज में शाहबाद क्षेत्र का सनकी युवक अनिल घटनास्थल पर दिखा। वह मुरादाबाद से ई-रिक्शा में सवार होकर नानपुर पहुंचा था। ई-रिक्शा चालक ने भी इसकी पुष्टि की है। सीसीटीवी कैमरों में मुरादाबाद रेलवे स्टेशन से लेकर कमालपुर फतेहाबाद तक उसकी लोकेशन मिली। पुलिस

ने इसी आधार पर आरोपी तक पहुंचने में सफलता पाई। पुलिस अधीक्षक देहात कुंवर आकाश सिंह ने मंगलवार को आरोपी को पुलिस रिमांड पर लिया जाएगा।शाहबाद में भी की थी वारदात- करन सिंह की हत्या से एक दिन पहले 18 जुलाई को अनिल ने शाहबाद थाना क्षेत्र के लश्करगंज गांव में दो भाइयों पर ईंट से हमला किया। इसमें अकरम की मौत हो गई थी, जबकि अय्यूब गंभीर रूप से घायल हो गया था। आरोपी ने उनसे लूटपाट करने की बात भी कबूल की है। शाहबाद पुलिस ने अनिल को संदिग्ध हालत में घूमते हुए पकड़ा था। पूछताछ में उसने इस हमले की बात कबूल की, जिसके बाद उसे जेल भेज दिया गया था। हत्या का समान तरीका - शाहबाद और कुंदरकी में चौबीस घंटे के अंतराल में हुई दोनों हत्याओं का तरीका एक जैसा था। हत्या करने के लिए नुकीले ईंट-पत्थर का इस्तेमाल किया गया था। कुंदरकी पुलिस ने रेलवे स्टेशन और घटनास्थल के करीब 300 मीटर की दूरी पर लगे सीसीटीवी कैमरे देखे। दोनों जगह एक ही व्यक्ति की तस्वीरें दिखाई दीं। शाहबाद की घटना में भी समान पैटर्न होने के कारण पुलिस ने अनिल से जेल में पूछताछ की। उसने दोनों घटनाओं को अंजाम देने की बात कबूल कर ली है। गुमराह करने की कोशिश और आपराधिक इतिहास- चौकीदार करन सिंह के शव के पास आगरा निवासी युवक का आधार कार्ड और वोटर पहचान पत्र मिला था। पुलिस टीम ने आगरा जाकर जांच की तो पता चला कि मुरादाबाद रेलवे स्टेशन पर उसका पर्स चोरी हुआ था। पीड़ित ने जीआरपी में इसकी तहरीर भी दी थी।पुलिस को गुमराह करने के लिए आरोपी ने यह पहचान पत्र घटनास्थल पर डाला था। अनिल पर 2024 में भी हत्या का आरोप लगा था। अब उस पर शाहबाद और कुंदरकी की हत्याओं का आरोप भी लगा है।

## संक्षिप्त समाचार

### रामपुर में गोकशी के तीन आरोपी मुठभेड़ में गिरफ्तार, दो के पैर में लगी गोली

**तालाब के किनारे गोमांस छोड़कर भागे थे आरोपी, रात में पुलिस से हो गया मुचैटा**

तीन अगस्त-सोमवार को गौवंशीय पशु की हत्या करके, उसके अवशेष तालाब किनारे डालने का मामला सामने आया था। पुलिस ने गंज थाने में मुकदमा दर्ज किया। मामले की जांच शुरू की। सोमवार रात पुलिस और एसओजी की संयुक्त टीम गश्त पर थी। रामपुर में गौवंशीय पशुओं की हत्या पर पुलिस ने तगड़ा एक्शन लिया है। तीन आरोपियों को मुठभेड़ में गिरफ्तार किया है। इसमें दो

के पैर में गोली लगी है। एक आरोपी भाग गया। पुलिस ने आरोपियों के पास से तंचा, कारतूस और गोकशी का सामान बरामद किया है। मामला गंज थाने का है। तीन अगस्त-सोमवार को गौवंशीय पशु की हत्या करके, उसके अवशेष तालाब किनारे डालने का मामला सामने आया था। पुलिस ने गंज थाने में मुकदमा दर्ज किया। मामले की जांच शुरू की। सोमवार रात पुलिस और एसओजी की संयुक्त टीम गश्त पर थी।इंडा नहर के पास दो बाइकें आईं। पुलिस ने रोकने का प्रयास किया। चालक ने बाइक पटरी की तरफ मोड़ दी। इस दौरान उसकी बाइक गिर गई तो वह भागने लगा। पुलिस ने घेराबंदी की।

आरोप है कि आरोपियों ने पुलिस पर हमला कर दिया। घेराबंदी में पुलिस पर झोंकी फायर- पुलिस की जवाबी कार्रवाई में दानिश पुत्र अफसर अली, जावेद उर्फ सलमान पुत्र लियाकत के पैर में गोली लग गई और जमीन पर गिर गए। एक अन्य आरोपी मोहम्मद मलिक कुरैशी पुत्र शौकत अली पकड़ा गया। पुलिस दोनों घायलों को लेकर अस्पताल पहुंची। उन्हें भर्ती कराया। इस तरह पुलिस ने तीन आरोपियों को पकड़ लिया। एक अन्य आरोपी आरिफ पुत्र भूरा उर्फ अतीक निवासी बंगला आजाद खां भाग गया।वह कोतवाली क्षेत्र का रहने वाला है। पुलिस उसकी तलाश में जुटी है। पूछताछ में आरोपियों ने गोकशी का अपराध स्वागत किया। पुलिस के मुताबिक आरोपियों ने बताया कि सोमवार सुबह बमनपुरी गांव में स्टेडियम के पीछे, कुछदूरी पर तालाब है, जहां उन्होंने गोकशी की घटना को अंजाम दियाथा। पुलिस की गाड़ी की आवाज सुनकर भाग गए। मांस नहीं ले जा सके थे। आरोपी दानिश और जावेद पर कई थानों में मुकदमें दर्ज हैं। पुलिस टीमें में प्रभारी निरीक्षक गंज पवन कुमार शर्मा, उपनिरीक्षक मनोज कुमार, राहुल सिंह, हिमांशु सिघल व उपनिरीक्षक पुनित कांत, हेड कांस्टेबल, विनय कुमार, कांस्टेबल पंकज कुमार, धर्मेन्द्र सिंह व प्रमोद कुमार, उपनिरीक्षक दीपक मलिक प्रभारी एसओजी रामपुर टीम सहित उपनिरीक्षक हेमराज सिंह प्रभारी सर्विलांस रामपुर टीम के साथ शामिल रहे।

# गन्ने के खेत में काम कर रही महिला पर तेंदुए का हमला, खा गया सिर और चेहरा, 40 गांवों में दहशत

लालापुर पीपलसाना गांव के जंगल में खेत पर चारा काट रही संतोष देवी पर तेंदुए ने हमला कर दिया। इससे उनकी मौत हो गई। घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने शव उठाने से रोकते हुए तेंदुए को पकड़ने और परिवार को आर्थिक मदद देने की मांग की। लालापुर पीपलसाना गांव के जंगल में सोमवार की सुबह खेत में पशुओं के हरे चारे के लिए गन्ने की पत्ती उतार रही महिला संतोष देवी (45) पर तेंदुए ने हमला कर दिया। तेंदुए ने महिला का सिर और चेहरा खा लिया। सीने से भी मांस नोचा है। मां को बुलाने खेत पर गई बेटी ने तेंदुए को देखा तो शोर मचा दिया।

आसपास के ग्रामीण मौके की तरफ दौड़े तो तेंदुआ शव छोड़कर भाग गया। पुलिस और वन विभाग के अफसरों का कहना है कि तेंदुए ने महिला का सिर और चेहरा खा लिया है। शरीर के दूसरे हिस्सों से भी मांस

नोचा है। वहीं इस घटना से गुस्साए ग्रामीणों ने पोस्टमार्टम के लिए शव नहीं उठने दिया।लोगों ने तेंदुए को पकड़ने और महिला के परिजनों को आर्थिक मदद की मांग की। मौके पर पहुंचे एसडीएम अभिषेक कुमार सिंह ने लोगों को हर मदद करने का आश्वासन देकर शांत किया। एसपी ग्रामीण कुंवर आकाश सिंह ने बताया कि लालापुर पीपलसाना गांव निवासी वीरेंद्र सिंह सैनी की पत्नी संतोष देवी सोमवार की सुबह करीब नौ बजे अपने खेत में पशुओं के लिए गन्ने से पत्ती उतारने गईं थीं।खेत के बीच में जाकर वह हरी पत्ती उतार रहीं थीं। इसी दौरान खेत में छिपे तेंदुए ने महिला पर पीछे से हमला कर दिया। हल्ला तब मचा जब संतोष देवी की बेटी रविता अपनी मां को बुलाने करीब साढ़े बारह बजे खेत पर गई। रविता ने जो बताया उसके मुताबिक जब वह खेत पर पहुंची तो तेंदुआ उसकी मां के ऊपर बैठा था और मांस नोच रहा था।वह वहां से भागी और शोर मचा दिया। शोर-शराबा सुनकर आसपास के खेतों पर काम कर रहे ग्रामीण मौके पर आ गए। तेंदुए को घेरने की भी कोशिश की लेकिन वह भाग गया। कुछ ही देर में यहां बड़ी संख्या में ग्रामीण पहुंच गए। इन लोगों ने घटना को लेकर नाराजगी जताते हुए हंगामा शुरू कर दिया।

शव भी नहीं उठने दिया। किसी तरह पुलिस शव को पिकअप में रखकर जब गांव में पहुंची तो ग्रामीणों ने पिकअप को रोक लिया। परिवार को आर्थिक मदद और तेंदुए को पकड़ने की मांग गूंजने लगी। मौके पर पहुंचे एसडीएम अभिषेक कुमार सिंह ने ग्रामीणों को हर संभव मदद का भरोसा देकर शांत किया। शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है।इन गांवों में सबसे ज्यादा दहशत- मुरादाबाद के गोपालपुर-बहादरपुर, दरियापुर रोड, खलीलपुर कद्दीम, चेतरामपुर रोड, सलेमपुर, मल्हीवाला, राई भूड़, मधुपुरी, नारायणपुर छंगा, पानूवाला, आलमगीरपुर, मलकपुर सेमली, चंदूपुरा, गोपीवाला, कालेवाला, पाड़ला, लालापुर पीपलसाना, फरीदनगर, बैंतखेड़ी, रामनगर खागूवाला, मुढ़ा मोहम्मदपुर, ढकिया जट, टांडा अफजल, रतनपुर कलां, रतनपुर खुर्द समेत 45 गांव। रामपुर में स्वार, मिलक, शाहबाद, टांडा, कैमरी, बिलासपुर, सैफनी समेत 12 गांव।

अमरोहा में हसनपुर, नौगावां सादात, बछरायूं, धनौरा, रहरा, अलीपुर कलां, पतेई भूड़ समेत 10 गांव। संभल के गुन्नौर, जुनावई, रजपुरा, बहजोई, असमोली समेत 10 गांव और बिजनौर के अमानगढ़, धामपुर, नहटौर, बढ़ापुर, मंडावर, किरतपुर, हल्दौर, अफजलगढ़, रेहड़, शेरकोट, मुस्सेपुर, मुकर्रमपुर, टीप, भागूवाला समेत 40 से ज्यादा गांवों में तेंदुओं की दहशत है। इनमें से कई गांवों में वन विभाग ने लोगों को अलर्ट किया है।

## बिना अनुमति शुरू हुई संभल-नोएडा रोडवेज बस सेवा, पहले दिन ही बंद; परिचालक ड्यूटी से हटाया

संभल से नोएडा के लिए शुरू की गई रोडवेज बस का बिना औपचारिक अनुमति उद्घाटन कराए जाने का मामला सामने आया है। सपा विधायक इकबाल महमूद के बेटे सुहैल इकबाल ने रविवार को बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया था। जांच में संभल बस स्टेशन और एआरएम को संचालन की पूर्व सूचना न मिलने की बात सामने आई। फिलहाल बस सेवा रोक दी गई है।संभल से नोएडा के लिए शुरू की गई नोएडा डिपो की रोडवेज बस पहले ही दिन विवादों में घिर गई। ट्रायल के लिए संभल तक गई बस का बिना अनुमति उद्घाटन करा दिया गया। रविवार को सपा विधायक इकबाल महमूद के बेटे सुहैल इकबाल ने बस को झंडी दिखाकर रवाना किया था। जांच में सामने आया कि बस संचालन के संबंध में संभल बस स्टेशन और एआरएम को कोई औपचारिक सूचना नहीं दी गई थी। फिलहाल बस का संचालन बंद कर दिया गया है और परिचालक को ड्यूटी से हटा

दिया गया है।एआरएम प्रेम सिंह ने बताया कि जांच में पता चला कि संभल बस स्टेशन इंचार्ज को भी बस संचालन की जानकारी नहीं थी। नोएडा डिपो की बस सीधे संभल बस स्टेशन पहुंची और वहीं से उसका संचालन शुरू कर दिया गया।उन्होंने बताया कि जब तक नियमानुसार अनुमति नहीं ली जाएगी, तब तक इस बस का संचालन नहीं होने दिया जाएगा। इस संबंध में नोएडा डिपो के एआरएम से लिखित रूप में यह पूछा गया है कि बस संचालन की अनुमति किस अधिकारी ने दी। जवाब मिलने के बाद कार्रवाई के लिए रिपोर्ट क्षेत्रीय प्रबंधक नोएडा को भेजी जाएगी।रविवार को बस सेवा के शुभारंभ के दौरान सपा विधायक इकबाल महमूद के बेटे सुहैल इकबाल रोडवेज बस स्टेशन पहुंचे और हरी झंडी दिखाकर बस को रवाना किया था। तस्वीरें वायरल होने के बाद राजनीतिक बयानबाजी शुरू हो गई। चालक और परिचालक से पूछताछ में जानकारी मिली कि नोएडा डिपो की ओर से विधायक पुत्र को सूचना दी गई थी।बस केवल ट्रायल के लिए संभल भेजी गई थी। यदि पर्याप्त यात्री मिलते तो क्षेत्रीय प्रबंधक से अनुमति लेकर बस का नियमित संचालन शुरू किया जाता। इस बस का प्रस्तावित रूट चंदौसी था। स्टैंड पर खड़ी बस को देखकर कुछ सपा कार्यकर्ताओं ने परिचालक से जानकारी ली और बाद में विधायक पुत्र ने बस को रवाना किया। बिना विभागीय अनुमति के उद्घाटन कराने को गंभीरता से लिया गया। परिचालक को ड्यूटी से हटा दिया गया है। विवाद खड़ा होने की वजह से बस का संचालन भी रोक दिया गया है। -शबीना अंजुम, एआरएम, नोएडा

# संघ, संगठन और सर्वे के टेस्ट में होंगे पास... तभी रखें टिकट की आस; तीसरे सर्वे में इनके नामों पर अधिक चर्चा

संघ, संगठन और सर्वे के टेस्ट में पास होना होगा...तभी टिकट की आस रखें। तीन स्तरों पर खरा होने पर ही विधायकी का टिकट हाथ ही आएगी। भाजपा में विधानसभा टिकट सिर्फ एजेंसियों के सर्वे के आधार पर नहीं मिलेगा।भाजपा में विधानसभा का टिकट हासिल करने के लिए दावेदारों को एक-दो नहीं बल्कि तीन परीक्षाओं से गुजरना पड़ेगा। एजेंसियों के सर्वे के साथ-साथ संघ और संगठन के टेस्ट में पास होने पर ही टिकट की आस पूरी होगी। तीनों के मानकों पर खरा उतरना जरूरी है। फिलहाल एजेंसियों के जरिये तीन सर्वे किए जा चुके हैं। 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर जिले की छह सीटों के लिए हर दिन भाजपा से टिकट के नए दावेदार सामने आने लगे हैं। भाजपा की ओर से एजेंसी से कराए गए तीन सर्वे में छह सीटों पर 20 नाम सबसे ज्यादा चर्चाओं में रहे। इस सर्वे के बाद नए दावेदारों संख्या बढ़ने लगी है। करीब एक दर्जन नए नाम सामने आ चुके हैं।इसमें बिलारी, ठाकुरद्वारा और कांठ सीट से दो-दो और देहात सीट से चार नाम शामिल हैं। इसके अलावा नगर सीट पर भी दावेदार बढ़े हैं। आने वाले दिनों में टिकट दावेदारों की संख्या और बढ़ने की उम्मीद है।भाजपा में टिकट के इन दावेदारों को अलग-अलग तीन टेस्ट पास करने होंगे तभी उनके हाथ विधानसभा का टिकट आएगा। ये तीन टेस्ट संगठन, संघ और एजेंसियों के सर्वे हैं। भाजपा में टिकट के यही तीन चैनल हैं। जो अलग-अलग स्तर पर अपना काम करते हैं। आरएसएस के स्तर पर ये है प्रक्रिया- आरएसएस स्तर पर भी सर्वे कराया जाता है। ये गोपनीय सर्वे होता है। सर्वे में विभाग प्रचारक तीन प्रमुख नाम शामिल करते हैं। जिसे क्षेत्र प्रचारक के पास भेजा जाता है। क्षेत्र प्रचारक अपने स्तर से जानकारी हासिल कर इन नामों को प्रांत प्रचारक के पास भेजते हैं।एजेंसी के स्तर पर सर्वे की ये है प्रक्रिया- पार्टी एजेंसी के स्तर पर सर्वे कराती है। ये सर्वे चार से पांच चरणों में होता है। अलग-अलग स्तर पर होता है। इसमें एजेंसी जनता के बीच से नाम लेती है। साथ ही पार्टी की ओर से दिए गए नामों पर जनता की राय लेती है। एजेंसी अपनी रिपोर्ट प्रदेश नेतृत्व को सौंपती हैं। तीसरे सर्वे के बाद बढ़े दावेदार- मुरादाबाद देहात सीट से पूर्व महानगर अध्यक्ष धर्मेंद्रनाथ मिश्रा, पूर्व महानगर मंत्री शशि किरण जाटव, महानगर मंत्री सुनीता शर्मा, महानगर मंत्री वनीता मेहरोत्रा और महेंद्र सिंह बब्बू ने दावेदारी पेश की। जबकि नगर विधानसभा सीट से राजीव गुंबर, कांठ से धर्मपाल सिंह, जयवर्द्धन सिंह, बिलारी से विश्वास यादव लवली, नरेश यादव और ठाकुरद्वारा सीट से गौरव चौहान, भानु प्रताप सिंह ने दावेदारी पेश की है। तीसरे सर्वे में इनके नामों पर रही थी ज्यादा चर्चा- नगर विधानसभा क्षेत्र = विधायक रितेश गुप्ता, पूर्व महानगर अध्यक्ष मनोज गुप्ता, महानगर अध्यक्ष गिरीश भंडूला, देहात से डॉ. केके मिश्रा, श्याम बिहारी शर्मा, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष अनुसूचित मोर्चा रजनीकांत जाटव, कांठ से पूर्व विधायक राजेश कुमार सिंह चुन्नू, ब्लॉक प्रमुख डिलारी पूनम चौधरी, जिला पंचायत सदस्य विनोद सैनी, राजपाल सिंह, ठाकुरद्वारा से राजपाल सिंह चौहान, अजय प्रताप सिंह, पूर्व सांसद सर्वेश सिंह की पत्नी साधना सिंह, बिलारी से परमेश्वर लाल सैनी, सुरेश सैनी, रघुराज सिंह यादव, ऋषिपाल चौधरी और कुंदरकी सीट से विधायक रामवीर सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. शैफाली सिंह, किसान मोर्चा के क्षेत्रीय महामंत्री दिनेश ठाकुर के नाम शामिल रहे। एजेंसियां सर्वे करती रहती है। जरूरत पड़ने पर पदाधिकारियों से भी संपर्क करती हैं। विधानसभा टिकट के लिए अभी जिले स्तर पर कोई आवेदन नहीं लिए जा रहे हैं। जिले स्तर पर जो भी आवेदन लिए जाते हैं उसे क्षेत्रीय अध्यक्ष को भेजा जाता है। - आकाश पाल, भाजपा जिलाध्यक्ष

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

# बरेली में उर्स को लेकर बड़ा ट्रैफिक प्लान, एसपी ट्रैफिक ने जारी की एडवाइजरी

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। उर्स-ए-रज़वी (आला हजरत उर्स ) के अवसर पर 6 अगस्त से 8 अगस्त 2026 तक देश-विदेश से बड़ी संख्या में जायरीन के बरेली पहुंचने को देखते हुए पुलिस अधीक्षक यातायात मो. अकमल खान ने व्यापक ट्रैफिक डायवर्जन और एडवाइजरी जारी की है। आदेश के अनुसार 6 अगस्त शाम 8:00 बजे से कार्यक्रम समाप्ति तक भारी एवं हल्के वाहनों के आवागमन पर विशेष व्यवस्था लागू रहेगी।

दिल्ली, रामपुर, नैनीताल, पीलीभीत और लखनऊ की ओर से आने-जाने वाले भारी वाहनों के लिए वैकल्पिक मार्ग निर्धारित किए गए हैं। उर्स के दौरान शहर के कई प्रमुख मार्गों पर भारी वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा, जबकि रोडवेज बसों का संचालन केवल सैटेलाइट बस स्टैंड से किया जाएगा।

7 और 8 अगस्त को जायरीनों की भीड़ बढ़ने की स्थिति में ईसाइयों की पुलिया, गांधी उद्यान, चौकी चौराहा, चौपला, मिनी बाईपास, इज्जतनगर तिराहा, कुतुबखाना, इस्लामिया, किला क्रॉसिंग और कोहाड़ापीर सहित कई मार्गों पर चार पहिया वाहन, ऑटो और ई-रिक्शा का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा।

एसपी ट्रैफिक मो. अकमल खान ने आमजन से अपील की है कि असुविधा से बचने के लिए वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करें तथा प्रतिबंधित मार्गों पर जाने से बचें। उन्होंने बताया कि जायरीनों की बसों एवं अन्य वाहनों के लिए अलग-अलग पार्किंग स्थल भी निर्धारित किए गए हैं, जबकि पत्रकारों एवं अन्य महत्वपूर्ण व्यक्तियों के वाहनों की पार्किंग जीआईसी परिसर में रहेगी।

# एचपीवी वैक्सीन अब नियमित टीकाकरण में बरेली बना प्रदेश का नंबर-1 जिला

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए अब एचपीवी वैक्सीन नियमित टीकाकरण कार्यक्रम का हिस्सा बन गई है। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने इसका ऑनलाइन शुभारंभ किया। बरेली में आयोजित कार्यक्रम के दौरान किशोरियों को एचपीवी वैक्सीन भी लगाई गई।मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. विश्राम सिंह ने बताया कि अब हर बुधवार और शनिवार को नियमित टीकाकरण सत्रों में 14 वर्ष तक की पात्र किशोरियों को नि:शुल्क एचपीवी वैक्सीन लगाई जाएगी। जिले में अब तक 25,053 किशोरियों का टीकाकरण हो चुका है, जो लक्ष्य का 45.3 प्रतिशत है। इसी उपलब्धि के साथ बरेली प्रदेश में सबसे अधिक एचपीवी टीकाकरण करने वाला जिला बन गया है।

जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. प्रशांत रंजन ने बताया कि जिन क्षेत्रों में टीकाकरण कम हुआ है, वहां विशेष अभियान चलाकर छूटी हुई किशोरियों का टीकाकरण कराया जाएगा। स्वास्थ्य विभाग ने अभिभावकों से समय पर बेटियों का टीकाकरण कराने की अपील की है। वहीं, एनएचएम ने 31 अगस्त तक सभी पात्र किशोरियों का शत-प्रतिशत टीकाकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

## संक्षिप्त समाचार

### आला हजरत उर्स के चलते : 6 से 8 अगस्त तक स्कूलों में छुट्टी, डीएम ने किए आदेश

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली । शहर में आयोजित होने वाले आला हजरत उर्स-2026 को लेकर जिला प्रशासन ने बड़ा निर्णय लिया है। उर्स के दौरान उमड़ने वाली भारी भीड़ और संभावित यातायात जाम को देखते हुए जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने 6, 7 और 8 अगस्त को अवकाश घोषित किया है। डीएम के आदेश के अनुसार उर्स स्थल से प्रभावित 10 विद्यालयों में तीनों दिन छुट्टी रहेगी। इनमें इस्लामिया गर्ल्स इंटर कॉलेज, एफआर इस्लामिया इंटर कॉलेज, कस्तूरबा नगर निगम बालिका इंटर कॉलेज, खलील उच्च माध्यमिक विद्यालय, एसवी इंटर कॉलेज, डीएवी कालीचरण उच्च माध्यमिक विद्यालय, रामभरोसे लाल गर्ल्स इंटर कॉलेज, तिलक इंटर कॉलेज, पीएम श्री राजकीय इंटर कॉलेज और राजकीय बालिका इंटर कॉलेज शामिल हैं। इसके अलावा उर्स के अंतिम दिन 8 अगस्त को बरेली नगर क्षेत्र के सभी यूपी बोर्ड, बेसिक शिक्षा परिषद, सीबीएसई और आईसीएसई बोर्ड के स्कूलों के साथ-साथ तकनीकी कॉलेज, महाविद्यालय, आईटीआई और पॉलिटेक्निक संस्थानों में भी अवकाश रहेगा। हालांकि प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जिन विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों या अन्य शिक्षण संस्थानों में किसी बोर्ड या विश्वविद्यालय की पूर्व निर्धारित परीक्षा है, वे अपने निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार ही संचालित होंगी। प्रशासन का कहना है कि यह फैसला छात्रों की सुरक्षा, सुगम यातायात व्यवस्था और उर्स के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से लिया गया है।

### दिन में जमीन को लेकर हुआ विवाद, रात में बुजुर्ग महिला की मौत, हत्या की आशंका

क्यूँ न लिखूँ सच /ब्यूरो / बरेली। सिरौली थाना क्षेत्र के गांव मोहर सिंह गोटिया में बुजुर्ग महिला रीना (60 वर्ष ) का शव मंगलवार सुबह चारपाई पर मिला। बताया जा रहा है कि सोमवार को दिन में मां-बेटे में जमीन बंटवारे को लेकर विवाद हुआ था। सूचना मिलने के बाद थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। ग्रामीणों ने हत्या की आशंका जताई है। ग्रामीणों के अनुसार रीना के पति रामप्रसाद की काफी दिन पहले मृत्यु हो चुकी है। उनकी मृत्यु के बाद उनकी लगभग 60 बीघा जमीन पत्नी रीना और उनके दो बेटे कुंवर पाल और नरेश के नाम बराबर-बराबर दर्ज हो गई है। लेकिन पूरी जमीन पर नरेश ने कब्जा कर रखा था। नरेश का छोटा भाई कुंवर पाल मानसिक रूप से कमजोर है। कुंवर पाल और उसकी मां रीना ने गांव वालों से नरेश द्वारा उन्हें जमीन और पैदावार आदि कुछ न देने की शिकायत की थी। इसे लेकर कुछ गांव के लोगों ने सोमवार को ही पंचायत की थी। ग्रामीण ने नरेश से दोनों को खाने के लिए अनाज आदि देने को कहा था। इस दौरान ने नरेश भाई और मां को ही भला बुरा कहने लगा और 25-30 किलो गेहूं देकर पंचायत से चला गया था। उसी रात में रीना की मौत हो गई। इसकी जानकारी होने पर ग्रामीण जुट गए। पुलिस को घटना की सूचना दे दी गई। बताते हैं कि सोमवार शाम को ही नरेश अपनी ससुराल शाहाबाद (रामपुर) ग्राम जनकपुर खेरे चला गया था। सुबह गांव के लोग नरेश को उसकी ससुराल से लेकर आए हैं। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है। रीना मूल रूप से बिहार की रहने वाली थीं। प्रथमदृष्ट्या पुलिस और ग्रामीणों को शक है कि नरेश और उसकी पत्नी धनदेवी द्वारा ही रीना की हत्या की गई है। पुलिस का कहना है कि सही जानकारी पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। फिलहाल पुलिस ने सभी पहलुओं पर जांच कर रही है।

# ऑन लाइन हुआ रुविवि का दीक्षांत समारोह, 82 मेधावियों को मिले गोल्ड मेडल, ऑनलाइन जुड़ीं राज्यपाल

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। महात्मा ज्योतिबा फुले रुहेलखंड विश्वविद्यालय (MJPRU) का 24 वां भव्य दीक्षांत समारोह मंगलवार को कैंपस के अटल सभागार में आयोजित हुआ। बारिश ने दीक्षांत के कार्यक्रम में खलल डाल दी। राज्यपाल (कुलाधिपति) आनंदीबेन पटेल कार्यक्रम स्थल पर नहीं पहुंची। गोल्ड मेडलिस्ट छात्रों को धक्का लगा। राज्यपाल के हाथों मेडल मिलने की उनकी हसरत अधूरी रह गई। हालांकि राज्यपाल वर्चुअली समारोह से जुड़ी रहीं। उन्होंने विद्यार्थियों को आशीष वचन दिए।

दीक्षांत समारोह का शुभारंभ कार्य परिषद और विद्या परिषद के सदस्यों की शोभा यात्रा के साथ हुआ। कुलपति प्रो केपी सिंह ने उपाधि हासिल करने वाले छात्र छात्राओं को दीक्षोपदेश देकर प्रतिज्ञा कराई। इसके बाद डिजिलॉकर के माध्यम से 106031 उपाधियां दी गईं।

दीक्षांत समारोह का शुभारंभ कार्य परिषद और विद्या परिषद के सदस्यों की शोभा यात्रा के साथ हुआ। कुलपति प्रो केपी सिंह ने उपाधि हासिल करने वाले छात्र छात्राओं को दीक्षोपदेश देकर प्रतिज्ञा कराई। इसके बाद डिजिलॉकर के माध्यम से 106031 उपाधियां दी गईं।

ऑनलाइन माध्यम से समारोह से जुड़ीं राज्यपाल ने स्वामी विवेकानंद प्रेरणा स्थल, कृषि संकाय भवन का लोकार्पण किया। समारोह में स्नातक और परास्तनाक के 82 गोल्ड मेडलिस्ट को मंच पर सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व संयुक्त सचिव स्वास्थ्य विभाग भारत सरकार डॉ. राकेश कुमार रहे। उन्होंने छात्रों को संबोधित किया। अति विशिष्ट अतिथि सांसद छत्रपाल गंगवार, विशिष्ट अतिथि के तौर पर शाहजहांपुर एसएस विश्विद्यालय के कुलपति प्रोफेसर पीबी सिंह मौजूद रहे। गोल्ड मेडल पाकर स्टूडेंट्स के चेहरे खिल उठे।

दीक्षांत समारोह के लिए विश्वविद्यालय कैंपस को खूबसूरत तरीके से सजाया गया था। लेकिन बरेली में सुबह से रुक-रुक का बारिश का दौर जारी है। समारोह में राज्यपाल को पहुंचा था। खराब मौसम के कारण वह नहीं आ सकीं। आखिर में जनभवन से वह ऑनलाइन समारोह में शामिल हुईं तो कार्यक्रम आगे बढ़ा।

# पवित्र सावन माह के प्रथम मंगलवार पर श्री हरि मंदिर में उमड़ा भक्तों का सैलाब

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। श्री हरि मंदिर मॉडल टाऊन में आज सावन माह के पहले मंगलवार को भक्तों का सैलाब उमड़ा ।सुबह के सत्र में मंदिर के मुख्य पंडित श्री तिवारी जी व सुनील शास्त्री जी के द्वारा श्री हनुमान जी का विधिवत पूजन व श्रृंगार किया गया। भक्तजनों द्वारा इस मंगलवार को अपनी अपनी मनोकामना पूर्ति हेतु श्री हनुमान जी की पूजा की गई। श्री हरि मंदिर में विराजमान सभी देवी देवताओं की सुंदर सुंदर मनमोहक परिधान सभी भक्तजनों को आकर्षित कर रहे थे। शाम के सत्र में महिला मंडल द्वारा सामूहिक सुंदर काण्ड का पाठ किया गया और उस के बाद श्री हरि संकीर्तन मंडल द्वारा श्री हनुमान जी के भजनों के माध्यम से रसधारा बहाई गई रवि छाबड़ा ने जय हनुमान संत हितकारी.... ,संजय आनन्द ने मंगल मूर्ति राम दुलारे....,जतिन दुआ ने है दु:ख भजन मारुति नंदन...., पंकज ने संकट मोचन नाम तिहारो...,सचिन सेठी द्वारा राधा नाम का संकीर्तन और भाई सौरभ द्वारा मुझे दाता तूने बहुत कुछ दिया है...आदि आदि भजनों से सारा श्री हरि मंदिर प्रांगण भक्तिमय हो गया। उसके बाद सभी उपस्थित भक्तजनों द्वारा सामूहिक श्री हनुमान चालीसा का पाठ हुआ और श्री हनुमान जी की सामूहिक आरती हुई, व शयन आरती के पाश्चात्य सभी को भंडारा प्रसादी दी। मंदिर सचिव रवि छाबड़ा ने बताया कि इस तरह के सामूहिक श्री हनुमान चालीसा व आरती पिछले कई वर्षों से श्री हरि मंदिर में चल रही है,जिस में सभी आयु वर्ग में लोग सम्मिलित होते है, विशेष कर युवाओं का जागरूक होने विशेष है। सचिव रवि छाबड़ा ने बताया कि पावन सावन माह में बृहस्पतिवार 06 अगस्त को श्री हरि मंदिर प्रांगण में शाम 6.30 बजे से प्रदोष पूजन होगा और 9.30 ठीक आरती होगी । आज की सेवा में अध्यक्ष सुशील अरोड़ा, सचिव रवि छाबड़ा,अश्वनी ओबेरॉय,संजय आनन्द,रंजन कुमार,अतुल कपूर,अनुराग शर्मा,अनिल चड्ढा,राकेश कुमार आदि मौजूद रहे।

# आम रास्ता बंद करने का विरोध पर घर में घुसकर मारपीट, चार घायल रिपोर्ट दर्ज

क्यूँ न लिखूँ सच / फतेहगंज पश्चिमी। गांव राफियाबाद में आम रास्ता बंद करने का विरोध करने पर आरोपियों ने घर में घुसकर मार पीट कर महिलाएं समेत 4 लोग घायल कर दिया। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने 7 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। राफियाबाद निवासी राजीव ने बताया मंगलवार सुबह 11 बजे वह खेत से लौट रहा था। गांव के प्रेम सिंह, लक्ष्मण, महेंद्र, भूपेंद्र और धर्मेंद्र आदि ने सरकारी रास्ता बंद कर रखा था। विरोध करने पर सभी ने पहले गाली-गलौज फिर राजीव के साथ मारपीट शुरू कर दी।किसी तरह बचकर भागकर पीड़ित घर में घुसा तो आरोपी दरवाजा तोड़कर अंदर घुसकर मारपीट करने लगे। शोर सुनकर पहुंची मां मुन्नी देवी, पत्नी ज्योति और बहन पूजा के साथ भी मारपीट की गई।आरोप है आरोपी भूपेंद्र ने राजीव की 8 माह की बेटी को जान से मारने की नीयत से जमीन पर पटक दिया। जिससे वह गंभीर हो गई।मारपीट के दौरान पीड़ित का मोबाइल, पत्नी का मंगलसूत्र और बहन के कुंडल भी गायब हो गए।पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है। थाना प्रभारी निरीक्षक प्रवीन कुमार ने बताया आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

### 5 अगस्त से 18 अगस्त तक होगा राशन कार्ड धरोको को राशन वितरण

क्यूँ न लिखूँ सच /अरविंद कुमार / पीलीभीत / जनपद के समस्त राशनकार्डधारकों को सूचित किया जाता है कि माह अगस्त 2026 के आवश्यक वस्तुओं का वितरण दिनांक 05.08.2026 से 18.08.2026 तक प्रात: 08 बजे से अपरान्ह 12 बजे तक एवं 02 बजे से सायं 06 बजे तक किया जायेगा तथा माह जुलाई 2026 से उचित दर विक्रेताओं द्वारा निम्नवत वस्तुओं का वितरण 05.08.2026 से 18.08.2026 तक किया जायेगा। अन्त्योदय राशनकार्डधारकों को गेहूं 21 कि0ग्रा0 प्रति राशनकार्ड व चावल 14 कि0ग्रा0 प्रति राशनकार्ड एवं पात्र गृहस्थी राशनकार्डधारकों को गेहूं 03 कि0ग्रा0 यूनिट व चावल 02 कि0ग्रा0 प्रति यूनिट नि:शुल्क वितरित किया जायेगा। दिनांक 18.08.2026 आवश्यक वस्तुओं के वितरण की अन्तिम तिथि होगी। ऐसे राशनकार्डधारक, जिनका कतिपय कारणों से आधार कार्ड नहीं बना है अथवा जिनका अंगूठा/आंखे ई-पॉस मशीन स्वीकार नहीं कर रही है, दिनांक 18.08.2026 को मोबाइल ओ0टी0पी0 वेरिफिकेशन के माध्यम से आवश्यक वस्तुएं प्राप्त कर सकते हैं। जनपद के समस्त राशनकार्डधारकों से जिला पूर्ति अधिकारी ने अनुरोध किया है कि वितरण के दौरान अपने राशनकार्डों में दर्ज समस्त यूनिटों की ईकेवाइसी यथाशीघ्र करायें।

# जिलाधिकारी की अध्यक्षता स्वतन्त्रता दिवस समारोह की तैयारियों से सम्बन्धित समीक्षा बैठक सम्पन्न

## जनपद में 9 से 17 अगस्त तक चलेगा हर घर तिरंगा अभियान

क्यूँ न लिखूँ सच /अरविंद कुमार / पीलीभीत / जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह की अध्यक्षता में स्वतन्त्रता दिवस समारोह -2026(15 अगस्त 2026) की तैयारियों से सम्बन्धित बैठक गांधी सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि विगत वर्षो की भांति इस वर्ष भी प्रात: 8:00 बजे ध्वजारोहण समस्त सरकारी, अर्द्धसरकारी, गैर सरकारी भवनों पर ध्वजारोहण, राष्ट्रीयगान किया जायेगा। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सरकारी भवनों, पार्कों व चैराहों को प्रकाश से सजावट की जायेगी। जनपद की समस्त तहसीलों में उप जिलाधिकारियों द्वारा स्वतंत्रता सेनानियों व कारगिल शहीदों का अभिनन्दन किया जायेगा। जिलाधिकारी द्वारा वृद्धाश्रम में वृक्षारोपण किया जायेगा। प्रात: 10 से 12 बजे से गांधी स्टेडियम प्रेक्षागृह में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जायेगा। प्रात: 11 बजे शहीद पार्क बल्लभ नगर कालोनी जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक द्वारा श्रद्धासुमन अर्पित किये जायेगें तथा पुलिस बैण्ड ध्वनि कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा। प्रात: 11 बजे शहीद दामोदर पार्क स्थल स्थित गैस चैराहा पर नगर मजिस्टेऊट द्वारा श्रद्धा सुमन अर्पित किये जायेंगे एवं बैण्ड ध्वनि कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा। प्रात: 11:30 बजे राम स्वरूप पार्क पीलीभीत में ध्वजारोहण किया जायेगा। प्रात: 11:30 बजे जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा जिला अस्पताल में फल वितरित किये जायेगें। प्रात: 11:30 बजे मुख्य विकास अधिकारी द्वारा वृद्धा आश्रम में फल वितरित किये जायेगें। समाज कल्याण अधिकारी द्वारा वृद्धाश्रम बरखेड़ा में फल वितरित किए जाऐगें। विभागों द्वारा इंडिया क्विज प्रतियोगिता का आयोजन 12:30 बजे से गांधी स्टेडियम में किया जायेगा। उन्होंने कहा कि जनपद की ग्राम पंचायतों के साफ सुथरा कर पंचायत भवनों पर सजावट व तिरंगा फहराया जाये तथा स्वच्छता शपथ दिलाई जाए। हर घर तिरंगा अभियान के अन्तर्गत स्वच्छता रैली का आयोजन कराया जाये। विभिन्न विभागों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों को सम्मानित किया जाये। उन्होंने कहा कि चैराहों पर देश भक्ति गीत बजाए जाए तथा चैराहों पर तिरंगा रंग की लाईटों व तिरंगा झण्डा से सजाया जाये।

उन्होंने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान 09 अगस्त 17 अगस्त तक पूर उत्साह और देशभक्ति वातावरण में संचालित होगा। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य प्रत्येक नागरिक के मन में देशभक्ति की भावना व राष्ट्रीय ध्वज के साथ एक अटूट भावनात्मक जुड़ाव स्थापित करना है। हर घर तिरंगा अभियान के तहत रैली आयोजन, वंदे मातरम व राष्ट्रगान का गायन, सेल्फी प्वांइट, तिरंगा थीम रंगोली, तिरंगा प्रदर्शनी आदि का आयोजन कराया जायेगा। जिलाधिकारी ने कहा कि 15 को रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाये।

बैठक के दौरान मुख्य विकास अधिकारी, अपर जिलाधिकारी (वि./रा.), नगर मजिस्टेऊट, मुख्य चिकित्साधिकारी, जिला विकास अधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, समस्त विभागाध्यक्ष सहित समाजसेवी, बुद्वजीवी व पत्रकार बन्धु उपस्थित रहे।

# जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने की गुमशुदा बालक की तलाश में जनसहयोग की अपील

क्यूँ न लिखूँ सच / बदायूं।सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बदायूं ने जानकारी देते हुए बताया कि मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर से प्राप्त पत्र के क्रम में गुमशुदा बालक अर्पित विश्वकर्मा की तलाश में जनसहयोग अपेक्षित है।

उन्होंने बताया कि अर्पित विश्वकर्मा, आयु लगभग 11 वर्ष, पुत्र श्री महेश विश्वकर्मा, निवासी ग्राम पटपरा, थाना कमरजी, जनपद सीधी (मध्य प्रदेश), दिनांक 20 मई 2026 से लापता हैं। इस संबंध में थाना कमरजी, जनपद सीधी में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के अंतर्गत अपराध संख्या 155/2026 पंजीकृत है। स्थानीय पुलिस द्वारा लगातार प्रयास किए जाने के बावजूद अब तक बालक का पता नहीं चल सका है।

उन्होंने बताया कि मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा सभी राज्यों के विधिक सेवा प्राधिकरणों से गुमशुदा बालक की खोज में सहयोग प्रदान करने का अनुरोध किया गया है। यदि किसी व्यक्ति को इस बालक के संबंध में कोई जानकारी प्राप्त हो तो तत्काल जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कार्यालय, अथवा पुलिस थाने में सूचित करें, जिससे आवश्यक विधिक एवं पुलिस कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके उन्होंने जनपदवासियों से अपील की कि गुमशुदा बालक की तलाश में सहयोग करें तथा कोई भी महत्वपूर्ण सूचना मिलने पर तत्काल संबंधित अधिकारियों को अवगत कराएं।

# सीडीओ ने जिला महिला चिकित्सालय का किया औचक निरीक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच / मुख्य विकास अधिकारी गामिनी सिंगला ने मंगलवार को जिला महिला चिकित्सालय, बदायूं का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान चिकित्सालय में स्थापित आरओ खराब पाया गया तथा उसके आसपास साफ-सफाई का अभाव मिला। मुख्य विकास अधिकारी ने चिकित्सालय के सभी शौचालयों को क्रियाशील रखते हुए उनकी नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रतीक्षालय कक्ष, लेबर रूम तथा एसएनसीयू के प्रतीक्षालय के सामने द्वितीय एवं तृतीय तल पर बंद पड़े पंखों को तत्काल चालू कराने के निर्देश दिए।

निरीक्षण में यह भी पाया गया कि लेबर रूम में स्थापित दोनों वातानुकूलित यंत्र संचालित नहीं थे तथा पीएनसी वार्ड के प्रतीक्षालय में मरीजों एवं उनके तीमारदारों की सुविधा के लिए पंखों का अभाव था। इस पर मुख्य विकास अधिकारी ने मुख्य चिकित्सा अधीक्षक को सभी कमियों का तत्काल निस्तारण कर अनुपालन आख्या उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने समस्त चिकित्सकों एवं कर्मचारियों की समयबद्ध उपस्थिति सुनिश्चित कराने तथा महिला नसबंदी कार्यक्रम की प्रगति बढ़ाने के लिए प्रतिदिन प्रभावी अनुश्रवण करने के भी निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. शोभा अग्रवाल अपने कार्यालय स्टाफ के साथ उपस्थित रहीं।

## संक्षिप्त समाचार

# श्रावण माह के प्रथम सोमवार को कावड़ यात्रा में शामिल शिव भक्तों का स्वागत किया

क्यूँ न लिखूँ सच /राजेंद्र विश्वकर्मा / रामपुरा में अपना दल एस

के विधान सभा के दावेदार ओंकार सिंह ठाकुर की टीम ने स्वागत सत्कार किया कोंच(जालौन)। अपना दल एस युवा मंच के प्रदेशीय महासचिव और माधोगढ़ विधान सभा क्षेत्र के पार्टी के मजबूत दावेदार ओंकार सिंह ठाकुर विक्की ने अपनी टीम के साथ श्रावण माह के पहले सोमवार को माधोगढ़ विधान सभा क्षेत्र के रामपुरा में कांवड़ यात्रा में शामिल शिव भक्तों स्वल्पाहार देकर स्वागत सम्मान किया और उनके विश्राम की व्यवस्था बनाई इससे पूर्व कावड़ यात्रा में शामिल शिव भक्तों के साथ सेवा की और भगवान भोले शंकर के गीतों पर खूब डांस किया इस अवसर पर रामपुरा क्षेत्र के लोग बड़ी संख्या में शामिल रहें

# यादव महासभा की बैठक सम्पन्न ,संस्कृति प्रकोष्ठ के प्रदीप यादव जिलाध्यक्ष नियुक्त

क्यूँ न लिखूँ सच /पवन कुमार / संगठन को गतिशील बनाने के लिये कार्य कर रहे है ब्रजराज सिंह यादव एडवोकेट कोंच(जालौन)।

अखिल भारत वर्षीय यादव महासभा जनपद जालौन की एक आवश्यक बैठक कृष्ण धाम उरई में संपन्न हुई जिसमें समाज के अंदर व्याप्त कृतियों पर विचार एवं संगठन विस्तार पर चर्चा हुई

जिसमें संस्कृति प्रकोष्ठ का जिला अध्यक्ष प्रदीप यादव को नियुक्त किया गया तथा महेंद्र सिंह टिंकू को वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष एवं मोनू यादव आटा अध्यक्ष बृजराज सिंह रिछारा जिला महासचिव भारत सिंह यादव मंडल के अध्यक्ष एवं प्रदेश सचिव अखिलेश यादव साहब सिंह यादव अनिल यादव चंद्र नगर मोनू यादव आटा दिनेश जैसारी ,सौरव यादव सेंटू, सौरव राज यादव कृष्ण धाम नगर अध्यक्ष, प्रदीप यादव, साहब सिंह यादव, हिमांशु यादव एवं समाज के सभी गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे यह जानकारी शिवपाल सिंह यादव

को युवा टीम का जिला जिला प्रभारी नियुक्त किया गया इस अवसर पर महासभा के जिला जिला मंत्री प्रवक्ता अखिल भारतवर्षीय यादव महासभा जनपद जालौन ने दी है।

# सड़क को बनबाने को लेकर नारेबाजी करते हुये पहुंचे कई ग्रामीण, बारिश के पानी में भींगते हुये पहुंचे छह गांवों के लोग

क्यूँ न लिखूँ सच /पवन कुमार / कोंच(जालौन) । आज मंगलवार को तहसील के पांच गांवों हिंगुटा कूडा चमरउवा बरहल खुटेला और मवासा के गांव वासी बड़ी संख्या में तहसील परिसर में एकत्रित हुये और ग्राम जुझारपुरा बम्बा से ग्राम कूड़ा नहर पुल करीबन सात किलो मीटर सड़क है जो काफी खराब और जर्जर स्थिति में है इस सड़क पर चलना मुश्किल है और यह सड़क तीन सरकारी विभागों के अंतर्गत आती है जिसमें मंडी समिति नगर विभाग और लोक निर्माण विभाग है जो यह सड़क इन विभागों के अधीन है इस सड़क को बनवाने को लेकर आज बड़ी संख्या में लोग बारिश के पानी में भींगते हुये कोंच तहसील कार्यालय पहुंचे जहां पर खूब नारे बाजी करते हुए इस जर्जर सड़क को बनवाने को लेकर एसडीएम अभिनव कुमार यादव को एक ज्ञापन दिया जिस में अवगत कराया गया है कि इस सड़क को बनवाने की कोई विभाग जिम्मेदारी नहीं लेना चाहता है जिसके चलते इस सड़क का नवीनी करण चौड़ीकारण नहीं हो पा रहा है गांव वालो ने इस सड़क को लेकर तमाम प्रार्थना पत्र दिये लेकिन सड़क नहीं बनी।

इस सड़क पर छह गांवों के पन्द्रह हजार लोगों का आवागमन होता है ये सड़क कोंच आने जाने के लिये मुख्य सड़क है इस सड़क पर स्कूली बच्चे बीमार लोग इलाज के कोंच जाते है और किसान अपनी उपज मंडी में बेचने जाते है सड़क पर गहरे गड्ढे हो गये है जिस पर दिक्कत होती है सड़क खराब होने को लेकर रिक्शा आदि नहीं पहुंच पा रहे है इस सड़क को लेकर अपना दल एस युवा मंच के प्रदेशीय महासचिव और माधोगढ़ विधान सभा के दावेदार ओंकार सिंह ठाकुर की अगुवाई में ज्ञापन दिया है उन्होंने बताया है कि यह सड़क छह गांवों को कोंच के लिये जोड़ती है और जर्जर हालत में है इस रोड का निर्माण हो जावे तो गांव वालो की समस्या दूर हो सकती है । इस अवसर पर आशीष समेले सचिन राठौर दशरथ संजय राजा नवाब शिवकुमार राघवेंद्र अजीत मनोज दीपू सहित दो सैकड़ा भर लोग मौजूद रहे।

# इंडिया गठबंधन के नेताओं ने दतिया विधान सभा सीट जीतने पर खुशी मनाई, जीत की खुशी में मुंह मीठा कराया

क्यूँ न लिखूँ सच /पवन कुमार / कोंच(जालौन)। आज सोमवार को जैसे ही मध्य प्रदेश की वी आई पी विधान सभा सीट के उपचुनाव के बाद परिणाम आने पर कांग्रेस प्रत्याशी राजा घनश्याम सिंह के विजय होने पर इंडिया गठबंधन के नेताओं ने जीत को लेकर खुशी मनाई इस जीत की खुशी के अवसर पर लोगो को लड्डू वितरित कर लोगो का मुंह मीठा कराया गया। कांग्रेस नेता अनिल पटेरिया ने कहा कि यह जीत आम जनता की जीत है कांग्रेस पार्टी नहीं बल्कि यह इंडिया गठबंधन की भारी जीत है यह जीत दलित पिछड़ा और अल्पसंख्यक समाज की जीत है उन्होंने कहा कि भाजपा की हार से अब निश्चित आगे परिवर्तन होगा। इस अवसर पर कांग्रेस नेता आनंद अग्रवाल राम किशोर पुरोहित सईद अहमद मंसूरी सभासद आवेश जाटव नजर कुरैशी रज्जाक अहमद सहित कई लोग मौजूद रहे।

# IVRI रोड पर व्यस्त सड़क पर बजरी उतारने से घंटों बाधित रहा यातायात, स्कूल जाने वाले हजारों छात्र छात्राओं की बड़ी परेशानी

क्यूँ न लिखूँ सच /ब्यूरो / बरेली। मंगलवार सुबह थाना इज्जतनगर क्षेत्र के IVRI रोड पर लापरवाही का एक ऐसा नज़ारा देखने को मिला, जिसने हजारों लोगों की सुबह की रफ्तार थाम दी। बरेली शहर के सबसे व्यस्त मार्गों में शामिल इस सड़क पर बजरी से भरे एक डम्पर को बीच सड़क खड़ा कर सड़क किनारे निर्माण सामग्री उतारी जा रही थी। इससे मुख्य मार्ग संकरा हो गया और लंबा जाम लग गया।यह मार्ग इज्जतनगर रेलवे स्टेशन से होकर उत्तराखंड, मुरादाबाद और दिल्ली की ओर जाने वाला प्रमुख संपर्क मार्ग है, जहां दिन-रात भारी संख्या में दोपहिया और चारपहिया वाहनों का आवागमन रहता है। सुबह के व्यस्त समय में सड़क पर डम्पर खड़ा होने के कारण कई स्कूलों, जिनमें अल्मा मेटर, बीबीएल, केंद्रीय विद्यालय, सेक्रेड हार्ट्स सहित अन्य शिक्षण संस्थानों के छात्र-छात्राएं, अभिभावक और शिक्षक समय पर स्कूल नहीं पहुंच सके।

स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि डम्पर को सड़क किनारे सुरक्षित स्थान पर खड़ा कर सामग्री उतारी जाती, तो यातायात बाधित नहीं होता और आम जनता को परेशानी का सामना नहीं करना पड़ता। लोगों ने इसे जनहित की अनदेखी बताते हुए जिम्मेदारों की कार्यशैली पर सवाल उठाए हैं।हैरानी की बात यह रही कि घटनास्थल से कुछ ही दूरी पर थाना इज्जतनगर होने के बावजूद यातायात सुचारु कराने या संबंधित वाहन के खिलाफ कोई प्रभावी कार्रवाई होती नजर नहीं आई। इसको लेकर स्थानीय लोगों में नाराजगी है और प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। लोगों ने मांग की है कि भविष्य में इस तरह की लापरवाही पर सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि आम नागरिकों को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े।

# बारिश बचाव से लेकर सुरक्षा तक, उर्स की हर व्यवस्था पर डीएम की पैनी नजर

क्यूँ न लिखूँ सच /ब्यूरो / बरेली । उर्स-ए-आला हजरत को लेकर प्रशासन पूरी तरह से सजग नजर आ रहा है। इसी क्रम में मंगलवार को जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने इस्लामिया इंटर कॉलेज ग्राउंड का स्थलीय निरीक्षण कर तैयारियों का बारीकी से जायजा लिया और अधिकारियों को सभी व्यवस्थाएं समय रहते दुरुस्त करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने बारिश के मौसम को देखते हुए ग्राउंड में फिसलन रोकने के लिए जूट के मैट बिछाने और बजरी डलवाने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि उर्स में आने वाले जायरीनों को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए और सभी व्यवस्थाएं समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरी की जाएं।

डीएम ने सुरक्षा, स्वच्छता, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, बैरीकेटिंग, शौचालय और साफ-सफाई की व्यवस्थाओं का भी निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि उर्स के दौरान हर मूलभूत सुविधा सुचारू रूप से उपलब्ध रहे ताकि जायरीनों को किसी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े।

इस दौरान नगर आयुक्त संजीव कुमार मौर्य, पुलिस अधीक्षक नगर मानुष पारीक, नगर मजिस्ट्रेट राजेश कुमार वर्मा, एसीएम प्रथम संत रंजन, एसीएम द्वितीय आलोक कुमार, खनन अधिकारी मनीष सिंह सहित अन्य संबंधित अधिकारी भी मौजूद रहे।

# सुरई चौकी प्रभारी ने छुरी के साथ एक को गिरफ्तार किया

क्यूँ न लिखूँ सच /पवन कुमार / कोंच(जालौन)। सुरई चौकी प्रभारी अभिषेक सिंह हमराही सिपाही अनिल कुमार यादव के साथ गस्त कर रहे थे तभी एक व्यक्ति पुलिस को देखकर भागने लगा शक होने पर पुलिस ने उसे पकड़ लिया और जब उसकी तलाशी ली गई तो उसके के कब्जे से एक छुरी बरामद हुई है पूँछ ताछ में उसने अपना नाम अकरम पुत्र फकीरे मुहम्मद निबासी मुहल्ला गांधी नगर कोंच बताया है पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा धारा 4/25 आर्म्स एक्ट में दर्ज कर कर लिया है।

# 10 हजार की रिश्वत लेते राजस्व निरीक्षक रंगे हाथ गिरफ्तार , बीसलपुर में एंटी करप्शन टीम ने किया ट्रैप

क्यूँ न लिखूँ सच /ब्यूरो / बरेली। भ्रष्टाचार के खिलाफ उत्तर प्रदेश सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति के तहत भ्रष्टाचार निवारण संगठन, बरेली मंडल की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पीलीभीत के बीसलपुर तहसील में तैनात राजस्व निरीक्षक हरिज्ञान सिंह को 10 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। बताया गया कि शिकायतकर्ता रिंकू गंगवार ने आरोप लगाया था कि जमीन की पैमाइश की रिपोर्ट और आख्या देने के नाम पर राजस्व निरीक्षक ने 10 हजार रुपये की रिश्वत की मांग की थी। शिकायत मिलने के बाद भ्रष्टाचार निवारण संगठन की टीम ने जाल बिछाया और तय योजना के अनुसार आरोपी को ईदगाह चौराहा, बीसलपुर पर रिश्वत लेते ही धर दबोचा। यह कार्रवाई ट्रैप टीम प्रभारी निरीक्षक प्रदीप सान्याल के नेतृत्व में की गई। आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की सुसंगत धाराओं में थाना सुनगढ़ी, जनपद पीलीभीत में मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

# विद्यालय मार्ग पर अतिक्रमण से बच्चों को दिक्कत प्रबंधक ने एसडीएम से की हटाने की मांग

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती। विकासखंड जमुनहा के अंतर्गत चौधरी महाजन लाल गौरव पब्लिक इंटर कॉलेज पटना मल्हीपुर चौराहे से विद्यालय को जाने वाले मार्ग पर अतिक्रमण के कारण स्कूली बच्चों को भारी परेशानी हो रही है। मल्हीपुर चौराहे से विद्यालय तक जाने वाली सड़क की पटरी पर दोनों तरफ गुमटियां खोलकर अतिक्रमण कर लिया गया है। वहीं एक तरफ खेत के मालिक ने सड़क किनारे कटीला तार लगा दिया है, जिससे रास्ता काफी संकरा हो गया है। इस मार्ग से रोजाना सैकड़ों छोटे-छोटे बच्चे विद्यालय आते-जाते हैं। अतिक्रमण और रास्ते के कारण उन्हें आने-जाने में विशेष दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। दुर्घटना की आशंका भी बनी रहती है। इस संबंध में विद्यालय के प्रबंधक रूद्र सेन वर्मा ने उप जिलाधिकारी जमुनहा को प्रार्थना पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है। प्रबंधक ने कहा कि अतिक्रमण हटाने के बाद बच्चों को आवागमन में सुविधा हो जाएगी और वेसुरक्षित पहुंच विद्यालय सकेंगे। ग्रामीणों ने भी प्रशासन से मांग की है कि स्कूल मार्ग को अतिक्रमण मुक्त कराकर बच्चों के हित में तत्काल कार्रवाई की जाए

# हुनर हो तो मुंबई खुद बुलाती है जालौन के सत्यम पाठक ने संघर्ष साधना और संकल्प से रची सफलता की नई कहानी

क्यूँ न लिखूँ सच / नीरज कुमार/ जालौन। उत्तर प्रदेश के जालौन जिले के छोटे से गांव गणेश नगर के युवा संगीत साधक सत्यम पाठक ने यह साबित कर दिया है कि सच्ची लगन, निरंतर साधना और अटूट आत्मविश्वास के बल पर कोई भी मंजिल दूर नहीं होती। उनकी सफलता की कहानी आज हर उस युवा के लिए प्रेरणा बन गई है, जो अपने सपनों को मेहनत के दम पर साकार करना चाहता है।

सत्यम पाठक ने अपने संघर्ष के दिनों में एक अनोखा संकल्प लिया था कि वह सपनों की नगरी मुंबई तभी जाएंगे, जब उनका हुनर उन्हें स्वयं वहां बुलाएगा। वर्षों की साधना और समर्पण के बाद उनका यह संकल्प उस समय साकार हुआ, जब देश के प्रसिद्ध भजन गायक अनूप जलोटा उनकी प्रतिभा से प्रभावित हुए। उन्होंने सत्यम को मुंबई आमंत्रित किया, अपना शिष्य स्वीकार किया और संगीत जगत की कई प्रतिष्ठित हस्तियों से भी उनका परिचय कराया। यह क्षण सत्यम के जीवन का सबसे बड़ा सम्मान बन गया।

सत्यम का जन्म जालौन जिले के गणेश नगर गांव में हुआ। उन्होंने प्रारंभिक शिक्षा गांव में प्राप्त की, जबकि कक्षा 8 से 12 तक की पढ़ाई उरई में पूरी की। बचपन से ही अनूप जलोटा के भजनों और गायकी ने उनके मन में संगीत के प्रति गहरा लगाव पैदा किया। इस रुचि को आगे बढ़ाने के लिए उन्होंने प्रसिद्ध संगीत गुरु पंडित उमेश कंपूवाले से शास्त्रीय संगीत की विधिवत शिक्षा प्राप्त की और संगीत की बारीकियों में पारंगत हुए।

उच्च शिक्षा के लिए सत्यम ग्वालियर पहुंचे, जहां उन्होंने बैचलर ऑफ परफॉर्मिंग आर्ट्स (बीपीए) और मास्टर ऑफ परफॉर्मिंग आर्ट्स (एमपीए) की डिग्रियां हासिल कीं। शिक्षा पूर्ण करने के बाद उन्होंने ग्वालियर में वैदिक म्यूजिक एकेडमी की स्थापना की। इस संस्थान के माध्यम से वे नई पीढ़ी को भारतीय शास्त्रीय संगीत और सांस्कृतिक परंपराओं का प्रशिक्षण देकर संगीत के संस्कार प्रदान कर रहे हैं।

सत्यम के जीवन में एक समय ऐसा भी आया, जब उन्हें टीवी रियलिटी शो Indian Idol में अवसर नहीं मिल सका। हालांकि उन्होंने इस असफलता को अपनी कमजोरी नहीं बनने दिया। उन्होंने लगातार रियाज जारी रखा और अपने हुनर को निखारते रहे। यही समर्पण उन्हें अंततः उस मुकाम तक ले गया, जहां अनूप जलोटा जैसे महान कलाकार ने उन्हें अपना शिष्य स्वीकार करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य का आशीर्वाद दिया।

सत्यम पाठक का कहना है कि यदि किसी व्यक्ति के भीतर सच्ची लगन, धैर्य और मेहनत करने का जज्बा हो, तो सफलता के लिए किसी शॉर्टकट या मंच की आवश्यकता नहीं होती। उनका मानना है कि मेहनत और प्रतिभा स्वयं व्यक्ति के लिए नए अवसरों के द्वार खोल देती है।

आज सत्यम पाठक की उपलब्धि केवल उनके परिवार की ही नहीं, बल्कि पूरे जालौन जिले और उत्तर प्रदेश के लिए गर्व का विषय बन चुकी है। उनकी प्रेरणादायक यात्रा यह संदेश देती है कि प्रतिभा को पहचान मिलने में समय लग सकता है, लेकिन सच्चा हुनर एक दिन अपनी मंजिल तक जरूर पहुंचता है।

# 15 दिनों से जियो नेटवर्क ध्वस्त, इंटरनेट सेवा ठप; आधा दर्जन गांवों में जनजीवन प्रभावित, 5जी टावर लगाने की उठी मांग

क्यूँ न लिखूँ सच /चांदनी बिहारपुर। सूरजपुर जिले के चांदनी बिहारपुर क्षेत्र अंतर्गत महुली स्थित जियो के 4जी मोबाइल टावर की नेटवर्क व्यवस्था पिछले करीब 15 दिनों से पूरी तरह चरमरा गई है। लगातार हो रही बारिश के बीच नेटवर्क और इंटरनेट सेवा बुरी तरह प्रभावित होने से महुली, कोल्हुआ, खोहीर, बैजनपाठ, कछवारी और जुडवनिया सहित आसपास के कई गांवों के हजारों उपभोक्ता परेशान हैं।ग्रामीणों का कहना है कि मोबाइल में नेटवर्क का सिग्नल तो किसी तरह दिखाई देता है, लेकिन इंटरनेट सेवा लगभग पूरी तरह ठप है। कॉलिंग किसी तरह हो जाती है, जबकि मोबाइल डेटा नहीं चलने से ऑनलाइन कार्य पूरी तरह प्रभावित हो गए हैं। सबसे अधिक परेशानी शासकीय कार्यालयों, उचित मूल्य की दुकानों, लोक सेवा केंद्रों, बैंकिंग कार्यों, ऑनलाइन भुगतान, विद्यार्थियों की पढ़ाई तथा अन्य सरकारी सेवाओं में आ रही है।

महुली का एकमात्र जियो 4जी टावर आधा दर्जन से अधिक गांवों को नेटवर्क उपलब्ध कराता है। टावर में तकनीकी समस्या के कारण पूरे क्षेत्र की संचार व्यवस्था प्रभावित हो गई है। लगातार बारिश के चलते समस्या और गंभीर हो गई है, जिससे ग्रामीणों में भारी नाराजगी है।लोक सेवा केंद्र संचालक कमलकांत जायसवाल ने बताया कि नेटवर्क की खराब स्थिति के कारण शासकीय कार्यों का संचालन करना बेहद मुश्किल हो गया है। उन्होंने कहा कि कॉलिंग किसी तरह हो जाती है, लेकिन इंटरनेट बिल्कुल नहीं चलने से प्रमाण पत्र, ऑनलाइन आवेदन, आधार संबंधी सेवाएं और अन्य सरकारी कार्य समय पर पूरे नहीं हो पा रहे हैं। इससे आम नागरिकों को भी काफी परेशानी उठानी पड़ रही है। वहीं लोक सेवा केंद्र संचालक जितेंद्र साकेत ने जियो कंपनी से तत्काल नेटवर्क सुधार की मांग करते हुए कहा कि क्षेत्र में वर्तमान 4जी टावर को 5जी तकनीक में अपग्रेड किया जाए, ताकि महुली सहित आसपास के सभी गांवों में बेहतर नेटवर्क और तेज इंटरनेट सुविधा उपलब्ध हो सके।ग्रामीणों का कहना है कि डिजिटल इंडिया के दौर में संचार सेवाओं का इस तरह ठप होना चिंताजनक है। उन्होंने जियो कंपनी और संबंधित अधिकारियों से मांग की है कि महुली टावर की तकनीकी जांच कर तत्काल नेटवर्क और इंटरनेट सेवा बहाल की जाए। यदि जल्द समस्या का समाधान नहीं हुआ तो क्षेत्रवासी सामूहिक रूप से आंदोलन करने को बाध्य होंगे।

# नियाज़ी वेलफेयर सोसाइटी के जेरे एहमाम निकला चेहल्लुम का पारंपरिक जुलूस

क्यूँ न लिखूँ सच /सिकंदर रजा/ मुरादाबाद। आज 20 सफर, चेहल्लुम इमाम हुसैन (अ.स.) के मुकद्दस मौके पर हर साल की तरह इस साल भी नियाज़ी वेलफेयर सोसाइटी के जेरे-एहमाम एक अज़ीमुश्शान जुलूस निकाला गया। इस जुलूस की कपादत (नेतृत्व) सैयद सलमान मियां नियाज़ी साहब ने फरमाई। यह जुलूस काश्शाना-ए-नियाज़ी ज़िया मंज़िल, फैज़ गंज (मुरादाबाद) से शुरू हुआ। जुलूस अपने तयशुदा पारंपरिक रास्तों-जी.आई.सी. चौराहा, जामा मस्जिद, प्रिंस रोड, गलशहीद और ईदगाह रोड से होता हुआ कर्बला मैदान पहुँचा। कर्बला मैदान पहुँचकर सैयद सलमान मियां नियाज़ी साहब ने मुल्क की सलामती, अमन-ओ-अमान और कौम की तरक्की के लिए विशेष दुआ कराई। इसके पश्चात इमाम हुसैन (अ.स.) का लंगर (तबर्रुक) तकसीम (वितरित) किया गया।जुलूस की मुख्य बातें व आकर्षण:अकीदत का नज़ारा: जुलूस में शामिल सभी अकीदतमंदों ने हरे लिबास (कपड़े) पहन रखे थे, हाथों में परचम (झंडे) थे और लबों पर या हुसैन की सदाएं बुलंद थीं।बच्चों व खवातीन का उत्साह: जुलूस में बच्चों और अकीदतमंदों ने बड़े जोश व अकीदत के साथ बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। विशेष सहभागिता: इस बार ताज़ियादार काउंसिलिंग की जानिब से जुलूस में आलम-ए-मुबारक लेकर लोग शामिल हुए। सलातो-सलाम: पूरा जुलूस सलातो-सलाम के नज़राने पेश करता हुआ बा-अदब कर्बला मैदान में मुकम्मल हुआ।प्रमुख अतिथियों व गणमान्य हस्तियों की उपस्थिति- इस मुबारक जुलूस में मेहमान-ए-खुसूसी (मुख्य अतिथि) के रूप में खानकाह-ए-नियाज़ी, बरेली शरीफ से जनाब ताहिर मियां नियाज़ी साहब विशेष रूप से तशरीफ लाए। जुलूस में कसीर तादाद में लोग शामिल रहे। जिनमें मुख्य रूप से: सादात एवं गणमान्य हज़रात: सैयद नासिर अली, फैज़ी मियां नियाज़ी, इमरान मियां नियाज़ी, सज्जाद मियां नियाज़ी, सिराज़ हसन नियाज़ी, हुसैन अली, रहबर अली नियाज़ी, मशाद नियाज़ी, पीरज़ाद नियाज़ी, सैयद अम्मर मियां निज़ामी, सैयद तक्री मियां, सैयद फरीद मियां एडवोकेट, सैयद ताबिश मियां, जिया मियां, सैयद उबैद मियां, सैयद मोइन मियां, सैयद इरतेजा मियां, सैयद इमरान मियां, सैयद अतहर, सैयद सफदर, नुरुल हसन मियां, सैयद हसनैनी मियां, अली हसन मियां, मुजतबा मियां, अहमद हसन मियां, रहबर मियां, हसन अली मियां एवं सैयदा असाइस फातिमा नियाज़ी, अलीज़ा फातिमा, नाज़ फातिमा, कलीमून फातिमा नियाज़ी के साथ अन्य सभी बच्चों व खवातीन ने इमाम हुसैन अलै0 की बारगाह में नज़रान-ए-अकीदत पेश किया और दुआएं मांगी। नियाज़ी वेलफेयर सोसाइटी के पदाधिकारी व सदस्य: आज़म नियाज़ी, शहजाद नियाज़ी, नदीम नियाज़ी, जमीर नियाजी, आज़म नियाज़ी (बब्बू), नाजिम नियाज़ी, जुबैर अली नियाज़ी, सैयद रागिब नियाज़ी, हनीफ नियाज़ी, जुनैद नियाज़ी, शुऐब नियाज़ी, जुबैर नियाज़ी, अमान नियाज़ी, अलताफ हसन नियाज़ी, अज़बाब नियाज़ी, खादिम

## मुख्यमंत्री को जान से मारने की धमकी देने वाला चढ़ा पुलिस के हत्थे

क्यूँ न लिखूँ सच /ब्यूरो / बरेली। भोजीपुरा पुलिस ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री को फोन पर गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार 31 जुलाई को आरोपी अनिल कुमार ने पुलिस इवेंट पर कई बार कॉल कर मुख्यमंत्री के खिलाफ अभद्र भाषा का प्रयोग किया और जान से मारने की धमकी दी। जांच में आरोप सही पाए जाने पर थाना भोजीपुरा में संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया। इसके बाद थाना प्रभारी कुँवर बहादुर सिंह के निर्देशन में पुलिस टीम ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपने कृत्य पर माफी मांगते हुए न्यायालय में अपना पक्ष रखने की बात कही। पुलिस ने आवश्यक विधिक कार्रवाई के बाद आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।

**मुख्य विकास अधिकारी ने छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति योजनाओं की प्रगति की समीक्षा कर समयबद्ध कार्यवाही के दिए निर्देश**

क्यूँ न लिखूँ सच /मुख्य विकास अधिकारी सुश्री मृणाली अविनाश जोशी की अध्यक्षता में जनपद में संचालित पूर्वदशम एवं दशमोत्तर छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति योजनाओं की प्रगति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला समाज कल्याण अधिकारी, जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी, कुलसचिव (टीएमयू) और शिक्षा विभाग के अधिकारियों सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ने पूर्वदशम (कक्षा 9-10) छात्रवृत्ति योजना की समीक्षा के दौरान बताया कि जनपद के 125 विद्यालयों में से 95 विद्यालयों द्वारा अपने संस्थान का प्रोफाइल लॉक कर दिया गया है, जबकि प्रोफाइल लॉक करने की अंतिम तिथि 05 अगस्त 2026 निर्धारित है। मुख्य विकास अधिकारी ने जिला विद्यालय निरीक्षक को निर्देशित किया

## संक्षिप्त समाचार

### गैस सिलेंडर लेने आए युवक की अचानक बिगड़ी हालत हुई मौत

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती। थाना सोनवा क्षेत्र अंतर्गत शाहपुर कठौतिया स्थित गैस एजेंसी पर मंगलवार दोपहर करीब 12.00 बजे ग्राम पंचायत इमलिया नारायण के मजरा उत्मापुर निवासी मकसूद गैस सिलेंडर लेने आए थे जिनका अचानक तबियत बिगड़ गया और मौत हो गई। घटना के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि एजेंसी पर अधिक भीड़ होने के कारण वह लाइन में लगकर अपनी बारी का इंतजार कर रहे थे। इसी दौरान युवक की तबीयत अचानक बिगड़ गई और वह कुर्सी पर बैठ - बैठे ही गिर पड़े। इसे देखकर एजेंसी परिसर में अफरा तफरी मच गई। सूचना मिलने पर परिजन और पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने युवक के शव का पोस्टमार्टम कराने की सलाह दी। लेकिन परिजनों ने साफ साफ इनकार कर दिया। इसके बाद आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर पुलिस ने शव परिजनों को सौंप दिया।

### महिला ने लगाए गंभीर आरोप

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविन्द कुमार यादव / श्रावस्ती हरदत्त नगर गिरंट के रजपुतिया गांव निवासी सहेली स्वयं सहायता समूह की महिला पूनम सिंह ने हरदत्तनगर गिरंट थानाध्यक्ष को तहरीर देकर एक लघु उद्योग संचालक पर गंभीर आरोप लगाए हैं। आरोप लगाया है कि गौसपुर एक उद्योग केन्द्र से बाल पुष्टाहार विभाग में वितरण के लिए खाद्यान्न बनता है। जिसमें सरकारी राशन, दाल, तेल, रिफाइन, चीनी आदि को ब्लेक किया जा रहा है। इसकी शिकायत डीएम से की थी तो ब्लेक करने वाले लोग नाराज हो गए और मंगलवार को जब उद्योग केन्द्र में गई तो उसके साथ अभद्रता की गई।

### किशोरी के साथ दुष्कर्म का आरोप मल्हीपुर पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा

क्यूँ न लिखूँ सच / जगत राम विश्वकर्मा / श्रावस्ती। जिले के मल्हीपुर थाना क्षेत्र में 15 वर्षीय किशोरी के साथ कथित सामूहिक दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पीड़िता के पिता की तहरीर पर पुलिस ने एक नामजद और दो अज्ञात आरोपियों के खिलाफ सामूहिक दुष्कर्म, पॉक्सो एक्ट सहित अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली 15 वर्षीय किशोरी रविवार शाम करीब सात बजे इंडो-नेपाल बॉर्डर मार्ग के किनारे बकरी चरा रही थी। आरोप है कि इसी दौरान दरवेश गांव निवासी हंसराज पुत्र सहजराम अपने दो साथियों के साथ वहां पहुंचा और किशोरी को जबरन अपने साथ ले गया। इसके बाद तीनों आरोपी उसे ननकऊ मौर्य के बाग में ले गए, जहां बारी-बारी से उसके साथ दुष्कर्म किया गया। घटना के बाद पीड़िता अपने पिता के साथ मल्हीपुर थाने पहुंची और शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने हंसराज तथा दो अज्ञात आरोपियों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता धाराओं, सामूहिक दुष्कर्म और पॉक्सो अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया है। पीड़िता को चिकित्सीय परीक्षण के लिए जिला चिकित्सालय भिनगा भेजा गया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। सूत्रों के अनुसार, पूछताछ के लिए दो युवकों को हिरासत में लेकर उनसे पूछताछ की जा रही है। थाना प्रभारी मल्हीपुर महेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि पीड़िता की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की गहन जांच की जा रही है और साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों के खिलाफ विधिक कार्रवाई करते हुए शीघ्र गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाएगी।

### 4 साल से फरार दुष्कर्म व पॉक्सो एक्ट का स्थाई वारंटी गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। गोपालपुर थाना पुलिस ने दुष्कर्म एवं पॉक्सो एक्ट के मामले में पिछले चार वर्षों से फरार चल रहे स्थाई वारंटी गजराज उफ गाजर आदिवासी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है।

पुलिस के अनुसार आरोपी के विरुद्ध विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो एक्ट) न्यायालय, शिवपुरी में प्रकरण क्रमांक 07/2022 के तहत भारतीय दंड संहिता की धारा 363, 366 एवं 376 तथा पॉक्सो एक्ट के प्रावधानों के अंतर्गत मामला विचाराधीन है। आरोपी गजराज उर्फ गाजर आदिवासी (25), निवासी ग्राम जमोनिया, थाना गोपालपुर, लंबे समय से फरार चल रहा था। पुलिस अधीक्षक यांगचेन डोलकर भूटिया द्वारा जिले में फरार वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रामदास प्रजापति एवं एसडीओपी पोहरी आनंद राय के मार्गदर्शन में गोपालपुर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया।

इस कार्रवाई में थाना प्रभारी राधेश्याम शिवहरे, सहायक उपनिरीक्षक श्यामलाल खरगे, आरक्षक दिग्विजय यादव, रामवरन सिंह एवं दधिराम गुर्जर की सराहनीय भूमिका रही।

# Is protein powder really beneficial for health? Learn who should and shouldn't.

You may have seen gym-goers consuming protein powder. But is it safe for everyone? Today, we'll provide information on this. The use of protein powder has increased rapidly in the fitness era. Gym-goers take protein supplements to build muscle, maintain fitness, and recover from exercise. But now, the question has become common: is protein powder safe for everyone? Can non-exercising individuals also consume it? Protein is an essential nutrient for the body, helping repair muscles, skin, hair, and the body. However, each person's protein needs vary depending on age, weight, physical activity, and health status. Consuming protein powder unnecessarily or incorrectly can be harmful for some people. Therefore, it's crucial to understand its benefits and drawbacks before including it in your diet. First, understand what protein powder is. Protein powder is a dietary supplement that provides a high amount of protein needed by the body. It is typically made from whey protein, soy protein, plant-based protein, or other sources. It is often used by people who struggle to meet their daily protein needs through food. Is protein powder only necessary for gym-goers? Protein powder isn't only for gym-goers. People with a protein deficiency can consume it on the advice of a doctor or dietitian. However, if a person is eating a normal, balanced diet, they don't always need protein supplements. Who should exercise caution before taking protein powder? Some people should consult a doctor before taking protein powder. Such as: People with kidney disease People with liver problems People with specific allergies Pregnant women or breastfeeding women People taking long-term medication for any disease Taking supplements without consulting a doctor can be harmful for these people. Benefits of protein powder: Protein powder, taken in the right quantity and as needed, can be beneficial for the body. It helps build muscle Improves recovery after exercise Can help reduce fatigue May keep the body feeling full for a longer period of time Helps replenish protein deficiencies Disadvantages of consuming too much protein: Consuming too much protein can put additional strain on the body. In some people, it can cause problems like bloating (gas and digestive problems) Weight gain (acne) Excessive pressure on the kidneys. Should children and the elderly take protein powder? The protein needs of children and the elderly may differ. Protein supplements should not be given to children without a doctor's advice. However, if the elderly suffer from muscle weakness or nutritional deficiencies, a doctor may recommend protein supplements. Natural alternatives to meet protein needs: It's not necessary to rely solely on supplements for protein. Adequate protein can also be obtained from foods like eggs, pulses, milk, cheese, soybeans, fish, chicken, dried fruits, and yogurt.

# From plants to DIY decor, learn easy ways to decorate your home during Sawan.

Use indoor plants, fresh flowers, green and earthy colors, DIY decorations, traditional puja decor, and warm lighting to decorate your home during Sawan. These easy and low-budget ideas can make your home natural, beautiful, and festive-friendly. The month of Sawan brings with it greenery, cool breeze, festive vibes, and positive energy. Small changes to not only your clothing but also your home's decor can enhance the overall atmosphere. If you're preparing for Hariyali Teej, Sawan Somvar, puja, or a family gathering, you can give your home an attractive and soothing look without spending a fortune. People often think that expensive decorative items are necessary to beautify your home, but that's not true. A little creativity, the proper use of existing items, and some budget-friendly ideas can enhance the beauty of your living room, balcony, puja room, and entrance. Green plants, flowers, colorful cushions, earthen lamps, handmade decorations, and the use of natural colors blend perfectly with the Sawan theme. If you want to bring a distinct Sawan feel to your home this year, you can give it a fresh look without spending a fortune by adopting some simple and affordable decorating tips. Let's explore five easy home decor ideas that will fill your home with freshness and traditional beauty, befitting the Sawan season. 1. Enhance greenery with indoor plants and fresh flowers. Greenery is the most significant symbol of Sawan. Place small indoor plants in the living room, balcony, and entrance. Plants like the money plant, snake plant, peace lily, or basil not only enhance the beauty of the home but also refresh the atmosphere. Decorating with marigold, jasmine, or fresh leaves will add a natural charm to the home. 2. Adopt green and earthy colors: There's no need to replace expensive furniture. Simply adding cushion covers, table runners, curtains, or sofa throws in green, mustard, white, or earthy colors can transform the entire look of a room. These colors match the natural atmosphere of Sawan and give the home a calm and peaceful feeling. 3. Give your puja room a traditional touch - Worship holds special significance during Sawan. Decorate the puja area with mango or Ashoka leaf festoons, flower garlands, brass or clay lamps, and rangoli. A clean and organized puja room creates a positive atmosphere throughout the home. 4. Save your budget with DIY decorations - Make vases by painting old glass bottles, create hanging decorations with jute rope, or make handmade torans with colored paper. DIY decorations created together with your family are not only economical but also add a personal and creative touch to your home. 5. Create a relaxing atmosphere with warm lighting and fragrance - Light warm LED lights, earthen lamps, or decorative candles in the evening. Use incense sticks or aroma oils with light fragrances like sandalwood, jasmine, or lavender. This creates a calm, refreshing, and festive atmosphere in the home.

# How to dry wet notes? Making this mistake can lead to loss.

To preserve wet notes and documents, pat them dry with a clean cloth. Store them in a shady and well-ventilated area. Avoid forcibly separating stuck-together papers. When they're almost dry, press them between books to straighten them. Sudden rain during the monsoon season can often cause significant inconvenience. Often, while in the office, college, the market, or traveling, notes, receipts, bills, photocopies of identity cards, insurance documents, or other important documents kept in bags or pockets get wet. Many people resort to using strong sunlight, irons, or hair dryers to dry them quickly, but this can shrink the paper, blur the printed information, and increase the risk of tearing or damage. Properly drying wet notes and documents is crucial. With a little care and the right methods, you can significantly prevent them from getting damaged. Especially if the documents are important or the notes are of a large denomination, it's better to dry them slowly and safely rather than rushing. If you ever happen to get your notes or important papers wet in the rain, there's no need to panic. By adopting some simple home remedies, you can safely dry them and reduce the risk of damage. Let's explore five easy and useful ways to keep wet notes and documents safe. 1. Gently remove excess water. If the notes or papers are completely wet, don't rub them. Gently pat them with a clean, dry cotton cloth or tissue to absorb the excess water. Applying too much pressure may tear the paper or cause the ink to spread. 2. Dry in a shady, airy area - Spread the notes and documents out flat, one by one, in a clean, dry, and airy area. Exposure to strong sunlight can cause the paper to warp and fade. Drying slowly in natural air is considered the safest method. 3. Don't forcefully separate stuck notes or papers. If several notes or papers are stuck together, don't try to pull them apart. Let them dry slightly first. After the moisture subsides, gently separate them from the edges. Rushing may cause them to tear. 4. Press between a heavy book. When the papers or notes are almost dry but still slightly moist, place them between two sheets of clean paper. Then press them under a heavy book for a few hours. This will keep them straight and prevent them from bending too much. If the paper in the middle becomes wet, replace it. 5. Take these precautions for the future: Always keep notes and important documents in waterproof zip pouches or plastic document covers during the rainy season. Use a rain cover on your bag. Keep digital copies of important documents safe. This significantly reduces the risk of damage due to rain.

# "I broke TVs and tables many times," Shweta Tiwari's ex-husband Raja said on allegations of domestic violence, saying, "I thought I was a servant."

Shweta Tiwari and Raja Chaudhary's marriage ended in 2012. What began as a love affair ended on a sour note. Recently, Raja Chaudhary broke his silence on the allegations of domestic violence against him. It has been several years since the divorce of the famous actress Shweta Tiwari and Raja Chaudhary. They no longer speak. However, indirectly, they frequently engage in verbal wars. Recently, Shweta's ex-husband Raja Chaudhary denied the allegations of domestic violence against him in an interview. He also accused Shweta of infidelity. He even blamed the actress's mother for the breakdown in their relationship. Did things start to deteriorate with Shweta's success? Raja Chaudhary recently shared many things in an interview with Siddharth Kannan. He also discussed his personal life. He accused Shweta Tiwari of cheating on him while they were married. He also claimed that Shweta Tiwari distanced him from their daughter, Palak. Raja Chaudhary said that their daughter, Palak, was born a few years after their marriage. When Shweta Tiwari began building her career, he supported her fully. He would drop her off and pick her up from sets. There was no male ego. Raja further said that when Shweta began to achieve success, she focused entirely on her home and her daughter. She had become a homemaker, in a way. However, things deteriorated over time. Accusing Shweta Tiwari's mother of breaking the relationship, Raja blamed the actress's mother for the distance in their relationship. Raja alleged that after Shweta's mother moved in with them, disputes and misunderstandings began to increase in the household. Raja said that Shweta's mother played a major role in creating a rift between them. She would question Shweta, asking why she needed Raja when she had established her own identity. He was made to feel like an unpaid driver and house help. He said, "The family broke apart in a battle of egos." Raja Chaudhary believes that Shweta's immense success at a young age and the opinions of others around her had a significant impact, leading to a deterioration in their relationship. Raja said that instead of understanding each other, they became embroiled in arguments to prove their point. This battle of egos ultimately broke the family. Raja also claimed that he tried two or three times to save their relationship, but Shweta made no such effort. This made it seem as if Shweta had already decided to separate from him. Furthermore, Raja accused Shweta Tiwari of having an affair with her co-star, Cezanne Khan, from the popular serial "Kasauti Zindagi Ki." He accused Shweta of cheating, saying that Shweta was also in relationships with other people at the time. Raja also discussed his relationship with his daughter, Palak Tiwari. He said that the biggest pain of the family breakup was being separated from his daughter, Palak Tiwari. According to Raja, Shweta never allowed the father-daughter relationship between him and Palak to continue. He said, "I didn't lose my career or money, but the most beautiful moments I could have spent with my daughter. Many parents reunite with their children after divorce, but in his case, he was never allowed to meet his daughter."

# Allu Arjun trolled for advising to "wait outside the girl's house"; accused of promoting stalking

Superstar Allu Arjun is being trolled for a comment he made jokingly. He is being accused of promoting stalking. Find out why? "Pushpa" fame superstar Allu Arjun met his fans at a fan meet in Hyderabad yesterday. During the meeting, he said something that has earned him trolling. Although the actor offered a humorous piece of advice, it has now led to embarrassment. What exactly was that advice? Why is Allu Arjun the target of trolls? - During a fan meet, Allu Arjun jokingly advised people to stand outside their crush's house. In fact, Allu Arjun urged his fans, anti-fans, and haters not to waste their time trolling others. Instead, "wait outside the house of the girl you like." The pan-India star is being trolled for this very comment. Allu Arjun advises people to stay away from negativity - A video of Allu Arjun is going viral on social media. Allu Arjun is seen in a black outfit. He gave a message to people. The actor said that they should not waste their time spreading negativity online. Addressing people, Allu Arjun said that instead of wasting time hating people they don't like, they should focus on things that make them happy. What comment caused the uproar? The actor further said, "I have been wanting to say something to my fans, anti-fans, and haters for a long time. If you don't like someone, don't waste your time hating and trolling them. If you don't like them, leave them. Don't waste even a single cent of your time on them. If you had 100 rupees, would you spend it on something you don't like? Absolutely not. Don't spend it. Similarly, spend your time on what you love." The actor further jokingly said, "Instead of hating, go and wait outside the house of the girl you like." Netizens expressed their displeasure - Netizens are reacting to the actor's comment. The actor is being criticized and his comment is being said to normalize behavior like 'stalking'. Some users say that celebrities should be mindful of the impact their words have on their fans. One user wrote, "Do they teach this to their son too?

# Yash shines as Raavan, first glimpse of Sai and Ravi; why was the trailer released during the Brahmamuhurta?

Finally, the makers of 'Ramayana: Part 1' have released the trailer. Many fans stayed up all night to see this trailer, which was released early in the morning on July 30th. Now, after watching the trailer, it is being widely discussed on social media. Find out what's special in the trailer? Devlok, Prithvilok, and Patallok... there will be only one king in all three worlds... Raavan Raj - Fans had been waiting for a long time to see Yash as Raavan in the trailer of the film 'Ramayana'. The makers capitalized on this opportunity and finally launched the trailer of 'Ramayana' in the early morning hours of July 30th. The nearly four-minute trailer features most of the cast, including Yash, Ranbir Kapoor, Sai Pallavi, Ravi Dubey, Arun Govil, Lara Dutta, Rakul Preet Singh, and Vivek Oberoi. The trailer begins with Ravana's look. The makers introduced South superstar Yash in the role of Ravana with a dazzling introduction. The trailer begins with Ravana becoming the lord of the three worlds. In this role, Yash, with a massive, matted look, is seen single-handedly fighting large armies. Now, to destroy Ravana's arrogance and reduce the burden of sin on Earth, Lord Vishnu is about to be born as Shri Ram. Ranbir perfectly embodies the role of Shri Ram: "Whenever sin has increased on Earth, Lord Vishnu has incarnated to protect it. My eldest son... Ram." After Yash's introduction, it's Ranbir's turn. Ranbir Kapoor's look as Ram had already been released, but his character is even more fully portrayed in this trailer. Ranbir, who usually speaks his dialogues quickly, calmed down as he transitioned into the role of Ram. The film also shows him in his younger years, and he's portrayed with great grace in every role. A glimpse of Sai Pallavi and Ravi Dubey: The trailer gives us the first glimpse of Sai Pallavi as Sita and Ravi Dubey as Laxman. However, the only Hindi dialogue Sai Pallavi delivers in the trailer is a bit jarring. The makers need to have her Hindi dubbed by a top-notch voice-over artist. We also get a glimpse of Rakul Preet as Shurpanakha, and Ravi Dubey, playing Laxman, is even seen cutting off her nose. Highlights of the trailer: Background Music: The music by Hans Zimmer and AR Rahman, in the trailer alone, is spine-chilling. One wonders what magic the two legendary actors will create together in the film. VFX: Whether it's the portrayal of Indra's Airavata as a winged elephant or the giant eagle, the king of birds, Jatayu. The way these have been presented through VFX is impressive. Sunny Deol as Hanuman is missing - The worst part of the trailer is that there is no glimpse of Sunny Deol as Hanuman. Sunny recently started shooting for the film. His role will be more important in the second part of the film. Why was the trailer released during the Brahmamuhurta? Initially, the makers were going to release this trailer on July 24th. At that time, Yash and Ranbir went to Comic Con in San Diego, USA. After showing the trailer there, the makers planned to release it globally on YouTube, but something else happened. Fans kept waiting for the trailer, and the makers made a deal with Sony Pictures. Under this deal, it was decided that the trailer of 'Ramayana' would be attached to the theatrical showings of 'Spider-Man: Brand New Day'. Now, on June 30th, 'Spider-Man: Brand New Day' is releasing in theaters worldwide. Within a few hours, this trailer would have reached Indian fans and been leaked. As a result, the makers released it during the Brahmamuhurta (the auspicious time). When will the first part be released? Directed by Nitesh Tiwari, the film will be released in two parts. While "Ramayana: Part 1" will hit theaters on Diwali 2026, the second part, "Ramayana: Part 2,"